04 - लोकतंत्र की बीन बजाते बुद्धिहीन!

05 - स्वच्छता का संदेश देती शीतला माता

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 01 अप्रैल, 2024

06- चेक पोस्ट पर संधारित करें थाना प्रभारी के मोबाइल नंबर एवं थानों...

07- समाज में ब्राह्मणों का सर्वोच्च स्थान आज भी है : पूज्य संत योगेश महाराज

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 9 अंक 171 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

राजनीतिक पलायन और नेताओं का मनोविज्ञान

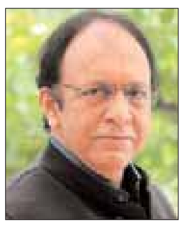

उमेश त्रिवेदी
संपादक

9893032101

लोकसभा चुनाव के पहले कांग्रेस में नेताओं के पलायन से उत्पन्न राजनीतिक अस्थिरता से मिलने वाली बढ़त से जहां भाजपा का नेतृत्व आक्रामक है, वहीं विपक्षी एकता के सवाल गहराते जा रहे हैं। हिंदीभाषी राज्यों में, खासतौर से मध्य प्रदेश में यह सिलसिला सघन होता जा रहा है। उन कांग्रेसी नेताओं का भाजपा में शरणागत होना ज्यादा चौंकाने वाला है, जो कांग्रेस के सत्ताकाल में ताउम्र सिंहासन का सुख भोगते हुए विभिन्न पदों पर विराजमान रहे। राजनीतिक पसंद-नापसंद और दल-बदल के मामलों में राजनेताओं का अपना गणित और आकलन होता है। लेकिन सत्ताभोगी नेताओं को यह नहीं सोचना चाहिए कि उनका राजनीतिक विचलन और पलायन का स्कैन जनता नहीं करेगी। परिस्थितियां चाहें जो हो, भाजपा और कांग्रेस में कुछ बुनियादी फर्क स्पष्ट दिखाई देते हैं। पहला यह कि भाजपा चुनावी अवसरों को भुनाने के लिए अधिकतम राजनीतिक शक्ति का उपयोग करती है और अपनी मूल वैचारिक आयोजना से विचलित नहीं होती है। जबकि कांग्रेस में ऐसे नेताओं की भरमार है, जिनके लिए सत्ता एक लत अथवा व्यसन है, जिसके बिना उनका दम घुटने लगता है।

कांग्रेसियों का राजनीतिक पलायन उनकी वैचारिक-अल्पज्ञता का परिचायक है। वैसे साहित्य और समाज शास्त्र में मानवीय पलायन के कई रूप और रंगों में रेखांकित किया गया है। सामान्य भाषा में कहा जा सकता है कि पलायनवाद दैनिक जीवन के अप्रिय पहलुओं से मानसिक विचलन की प्रक्रिया है। रोजमर्रा की सामान्य जिंदगी में विचलन की इस प्रक्रिया को चेतना के कई रूपाकारों में देखा जा सकता है। राजनेता सत्ता से विमुख होकर सहज,सरल और सामान्य नहीं रह पाते हैं। सत्ता की लत उनकी मनोकामनाएं रोजमर्रा की जिंदगी के प्रवाह में खुद को असहज महसूस पाती है, इसीलिए वो सत्ता की ओर दौड़ता है। मानवीय संवेदनाओं में प्रिय-अप्रिय की कोई निश्चित विवेचना या व्याख्या रेखांकित नही हैं। जो आज प्रिय और अनुकूल है, वही कल अप्रिय और प्रतिकूल महसूस हो सकता है। जीवन की तरलताओं और विरलताओं में मानसिक स्थिरता के पैमानों को निश्चित करना आसान नही हैं। शायद कांग्रेस ही नहीं अन्य दलों के नेता भी इस भाव से मुक्त नहीं हो पाते हैं।

बहरहाल,लोकसभा चुनाव की पूर्व बेला में कांग्रेस के असली-नकली कार्यकर्ताओं का भाजपा की ओर पलायन जितना कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को चौंका रहा है, उतना ही भाजपा के उस काडर को असहज कर रहा है, जिनके खून-पसीने की बुनियाद पर भाजपा का राज-महल खड़ा है। नीतियों और आदर्शों मे विचलन या पलायन को लेकर भाजपा के काडर में एक असहज खामोशी है, जिसकी आवाज कानों को सुनाई नहीं पड़ रही है, लेकिन दिलो-दिमाग में महसूस हो रही है। दिलचस्प यह है कि राजनीति में कोई भी लेन-देन अकारण या अनावश्यक नहीं होता है। राजनीति के तराजू पर वजनदारी की अपनी अहमियत होती है। दो साल पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया की भाजपा में एंट्री की पुख्ता और वजनदार वजह थी कि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार बन रही थी, लेकिन फिलवक्त भाजपा में प्रवेश के लिए बेचैन और लालायित नेताओं की उपयोगिता पर आसानी से प्रश्न-चिन्ह लगाए जा सकते हैं।

चार सौ सीटें जीतने की महत्वाकांक्षाओं ने भारतीय जनता पार्टी के रणनीतिकारों को उन राजनीतिक समझौतों और दिशाओं की ओर ढकेल दिया है, भाजपा का पुराना नेतृत्व जिन दिशाओं में जाने से परहेज करता था। मध्य प्रदेश में सभी उनतीस लोकसभा जीतने के लिए भाजपा ने कांग्रेस संगठन में तोड़-फोड़ का जो अभियान शुरू किया है, उसकी राजनीतिक और रणनीतिक गणनाएं कहती हैं कि मैदानी स्तर पर कदाचित ही वह भाजपा के लिए फायदेमंद साबित होगा। बहरहाल, चुनाव अभियान में महज मनोवैज्ञानिक बढ़त के अलावा भाजपा को इससे कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। जबकि, तोड़-फोड़ के बिना भी लोकसभा चुनाव में मनोवैज्ञानिक रूप से भाजपा कांग्रेस से कई गुना मजबूत और आगे खड़ी है।

गौरतलब है कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी इस बात का आभास है कि रामनामी दुपट्टा ओढ़ कर जो कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता भाजपा का दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं, उनकी धेले भर भी राजनीतिक उपयोगिता नहीं है, फिर भी वह ढोल बजाकर उनका स्वागत कर रही है।

लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों को जीतने का लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भाजपा ने कथित तौर पर एक लाख कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को तोड़ कर भाजपा से जोड़ने का अभियान शुरू किया है। एक लाख कांग्रेसियों को तोड़ने का यह लक्ष्य अतिरंजित और फुगावा है। फिर भी पिछले तीन माहों में कोई दस हजार कांग्रेसजन भाजपा से जोड़ने का दावा किया जा रहा है। शायद ही कोई दिन ऐसा होगा जबकि भाजपा कार्यालय में दल-बदल का जश्न नहीं मनाया जाता हो। कांग्रेस के कथित रूप से नाराज कार्यकर्ताओं को भाजपा में शरीक करने की जिम्मेदारी पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के कंधों पर है। कांग्रेसियों को चिन्हित करने के अलावा उनकी रणनीति पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के संसदीय क्षेत्र छिंदवाड़ा में ज्यादा से ज्यादा तोड़-फोड़ करने की है। विधायक,पूर्व-विधायकों और पूर्व सांसदों के दल-बदल के साथ यह सिलसिला शुरू भी हो चुका है।

मोदी बोले-कांग्रेस ने कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को दे दिया था

कहा-75 साल से देश की अखंडता कमजोर कर रहे, उन पर भरोसा नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि कांग्रेस ने भारत के रामेश्वरम के पास मौजूद कच्चाथीवू द्वीप श्रीलंका को सौंप दिया था। हर भारतीय इससे नाराज है और यह तय हो गया है कि कांग्रेस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। पीएम ने कच्चाथीवू पर एक आरटीआई रिपोर्ट का हवाला देकर सोशल मीडिया पर यह बात कही। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 1974 में इंदिरा गांधी की सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था।

राष्ट्रपति ने आडवाणी को घर जाकर दिया भारत रत्न

पीएम मोदी और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ रहे मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को आज देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके घर जाकर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, गृह मंत्री अमित शाह और पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू भी मौजूद थे। न्यूज एजेंसी ने बताया कि आडवाणी के खराब स्वास्थ्य के कारण ये फैसला लिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 3 फरवरी को उन्हें भारत रत्न देने की घोषणा की थी। वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और भाजपा के संस्थापक सदस्य नाना जी देशमुख के बाद ये सम्मान पाने वाले भाजपा और आरएसएस से जुड़े तीसरे नेता हैं। राष्ट्रपति ने शनिवार को राष्ट्रपति भवन में 4 शख्सियतों को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया था। इनमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर और कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन शामिल हैं। चारों शख्सियतों के परिजनों ने राष्ट्रपति भवन में यह सम्मान हासिल किया। नरसिम्हा राव के बेटे पीवी प्रभाकर राव, चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत चौधरी, कर्पूरी ठाकुर के बेटे रामनाथ ठाकुर और एमएस स्वामीनाथन की बेटी नित्या राव ने राष्ट्रपति से यह सम्मान लिया।

यूपी के मेरठ से प्रधानमंत्री मोदी ने कर दिया चुनावी शंखनाद

जिसने लूटा है, लौटाना ही पड़ेगा, ये मोदी की गारंटी

कहा-मैं कहता हूं,भ्रष्टाचार हटाओ,वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में मोदी ने पहली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। 2019 लोकसभा चुनाव में भी मोदी ने मेरठ से ही चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत की थी। भारत माता की जय, आप सबको राम-राम, मेरठ की ये धरती क्रांति और क्रांतिवीरों की धरती है, के साथ मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि इस धरती पर बाबा औघड़धाम और उनका आशीर्वाद है। इस धरती ने चौधरी चरण सिंह जैसे महान सपूत देश को दिए हैं। हमारी सरकार को उन्हें भारत रत्न देने का सौभाग्य मिला है। मैं चौधरी साहब को आदर पूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी ने कहा कि मेरठ की धरती के साथ ही मेरा कुछ अलग ही रिश्ता है। 2014 और 2019 में मैंने अपने

चुनाव अभियान की शुरुआत मेरठ से की थी। अब 2024 की पहली रैली मेरठ में ही हो रही है। साथियों 2024 का चुनाव सिर्फ सरकार बनाने का चुनाव नहीं है। 2024 का चुनाव विकसित भारत बनाने के लिए हैं।

100 दिनों के फैसलों पर अभी से काम शुरू हो गया

पीएम मोदी ने कहा कि हमारी सरकार भी तीसरे कार्यकाल की तैयारी में अभी से जुट गई है। हम आने वाले पांच सालों का रोडमैप बना रहे हैं। नई सरकार बनने के बाद पहले 100 दिनों में कौन-कौन से फैसले लेने हैं, उस पर काम चल रहा है। पिछले 10 सालों में जो विकास का मोमेंटम बना है, अब वह और तेज चलेगा। पिछले दस सालों में विकास का ट्रेलर देखा है। अभी देश को और आगे ले जाना है। मोदी को आज की पीढ़ी के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के बारे में भी चिंता है। एनडीए सरकार के 10 सालों का रिपोर्ट कार्ड आपके सामने है। इन 10 सालों में ऐसे अनेक काम हुए हैं।

हम कहते हैं भ्रष्टाचार हटाओ वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ

10 सालों में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी लड़ाई शुरू की है। हमने सुनिश्चित किया कि गरीब का पैसा कोई न हड़प पाए, इसलिए योजनाओं से 10 करोड़ से ज्यादा फर्जी लाभार्थी हटाए। ऐसा करके पौने तीन लाख करोड़ रुपये गलत हाथों में जाने से बचाए। मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रहा हूं तो इससे कुछ लोग बौखला गए हैं। वो अपना आपा खो बैठे हैं और मेरे प्यारे देशवासियों मैं कहता हूं कि मोदी की गारंटी कहती है कि मोदी का मंत्र हैं भ्रष्टाचार हटाओ, वो कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। इस चुनाव में दो खेमों की लड़ाई है। इस चुनाव में दो खेमा मैदान में, एक वो जो भ्रष्टाचार को बचाना चाहते हैं और एक एनडीए जो भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहता है। मोदी ने जनसभा में मौजूद लोगों से पूछा कि ये खत्म होना चाहिए या नहीं, इस पर लोगों ने हाथ उठाकर कहा कि हां भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन बना लिया है, इनको लगता है मोदी इनसे डर जाएगा, लेकिन मेरा भारत मेरा परिवार है। बड़े भ्रष्टाचारी सालाखों के पीछे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक जमानत नहीं मिल रही है और इसीलिए कई बड़े भ्रष्टाचारियों को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बिस्तर, दीवारों और वाशिंग मशीन से नोटों के ढेर निकल रहे हैं। ईडी ने जो संपत्ति जब्त की है, अगर रिकॉर्ड मिलता है कि वो पैसे आपके हैं तो आपको दिलाकर ये मोदी दम लेगा।

सीएम बोले-कांग्रेस नेता भाजपा में आकर सुकून महसूस करते हैं

दिग्विजय ने कहा-जो लोग बीजेपी में जा रहे, उन्हें धंधा-दलाली करनी है

भोपाल। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा रहे नेताओं को लेकर दोनों पार्टियों के बीच जुबानी जंग जारी है। भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कांग्रेस से बड़ी संख्या में लोग भाजपा में आकर सुकून महसूस करते हैं। राजनीतिक दृष्टि से सकारात्मक तरीके से काम करने की प्रणाली सभी को आकर्षित करती है। उधर, आगर-मालवा जिले में पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा, राजनीति विचारधाराओं की लड़ाई होती है। जो छोड़कर जा रहे हैं, उन्हें धंधा करना है, दलाली करनी है लेकिन वे अकेले ही जा रहे हैं, जनता उनके साथ नहीं जा रही। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को अपनी वादा निभाओ पदयात्रा से पहले शक्तिपीठ मां बगलामुखी मंदिर में हवन-पूजन किया। कांग्रेस ने उन्हें राजगढ़ से लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। बीजेपी में कांग्रेसियों के आने का साइड इफेक्ट तो शुरू नहीं हो गया। मीडिया के इस सवाल पर पूर्व मंत्री व छतरपुर से विधायक ललिता यादव ने कहा था, हमारे पास इतनी अच्छी मेडिसिन है कि भाजपा को कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा।

भोजशाला में 10वें दिन 8 घंटे चला सर्वे

टीम ने पूरे क्षेत्र का किया मेजरमेंट; मुख्य भवन देखा, दरगाह के पास किया काम

धार (नप्र)। धार की भोजशाला में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम ने 10वें दिन रविवार को करीब 8 घंटे काम किया। टीम ने सुबह करीब 6 बजे मजदूरों के साथ परिसर में प्रवेश किया और दोपहर 2 बजे कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच भोजशाला से रवाना हो गई।

एएसआई ने पूरे क्षेत्र का मेजरमेंट, मुख्य भवन का अवलोकन करने के साथ कुछ स्थानों को चिह्नित किया है। बाबा कमाल की दरगाह के आसपास भी काम किया गया है। सर्वे टीम में शनिवार को पांच नए सदस्य भी शामिल हुए हैं। ये अधिकारी आगरा, लखनऊ और भोपाल सर्कल के हैं। अब टीम के कुल सदस्यों की संख्या 22 हो गई है। सदस्यों की संख्या बढ़ने से सर्वे के काम में तेजी आएगी। अभी और भी कुछ सदस्यों के शामिल होने की उम्मीद है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर बेंच ने भोजशाला सहित आसपास के 50 मीटर दायरे तक की सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा है। भोजशाला परिसर के बाहर सुबह 6 बजे से पुलिसकर्मी तैनात रहे। सर्वे टीम के साथ मजदूरों को मेटल डिटेक्शन के बाद एंट्री दी गई।

राजस्व विभाग की टीम भी पहुंची

रविवार को राजस्व विभाग के अधिकारी भी भोजशाला पहुंचे थे। आरआई सहित पटवारी बाहरी हिस्से में मेजरमेंट करते हुए नजर आए।

एएसआई के अधिकारी मेजरमेंट सहित कई तकनीकी बिंदुओं पर जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान जो तथ्य सामने आ रहे हैं, उन्हें नोट डाउन किया जा रहा है। दरअसल, हाईकोर्ट ने सर्वे की पूरी रिपोर्ट देने के लिए 6 सप्ताह का समय दिया है, ऐसे में दस्तावेजी काम भी शुरू कर दिया गया है।

मुख्य गड्ढे पर ज्यादा फोकस कर रही टीम

भोजशाला के पिछले हिस्से में तीन स्थानों पर गड्ढे किए गए थे। इनमें से एक मुख्य गड्ढे पर टीम फोकस कर रही है। इसे करीब 10 फीट तक खोदा गया था, इसके बाद भी नींव नजर नहीं आई। हालांकि, एक आड़ा बीम नजर आया था। ऐसे में अब इस गड्ढे की लंबाई, चौड़ाई सहित क्षेत्रफल को बढ़ाया जा रहा है। इस गड्ढे को पूर्व की दिशा की ओर बढ़ाया जा रहा है।

सुप्रभात

मैं लिखता हूँ
तुम्हारी आँखों में
प्रेम के आँसू

मैं लिखता हूँ
तुम्हारे कपोलों पर
प्यार का चुम्बन

मैं लिखता हूँ
तुम्हारी बोली में
संगीत की लय

मैं लिखता हूँ
पथ पर गूंजती
तुम्हारी पग-ध्वनि

मैं लिखता हूँ
तुम्हारे अधरों पर
खिलती उषा

मैं लिखता हूँ
तुम्हारी साँसों से
महकती हवा

मैं लिखता हूँ
तुम्हारा लहराता हुआ
वासंती आंचल

मैं लिखता हूँ
तुम्हारे स्नेह की
नदी में डूबता
मेरा प्राण।

-दुर्गाप्रसाद झाला

भोपाल का तापमान
अधिकतम 36 °c
न्यूनतम 26°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 01 अप्रैल 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

दिल्ली के रामलीला मैदान से 'इंडिया गठबंधन' ने भरा दम

केजरीवाल के बहाने मोदी सरकार पर जमकर गरजे इंडिया गठबंधन के सभी नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन के तमाम बड़े नेता जमा हुए। यहां राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान मोदी सरकार पर जमकर

- **राहुल बोले-लोकसभा चुनाव को आईपीएल की तरह फिक्स करना चाहती है बीजेपी**

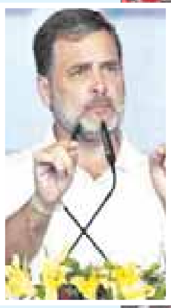

निशाना साधा और कांग्रेस के बैंक अकाउंट्स बंद किए जाने के मामले को प्रमुखता से उठाया। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी लोकसभा चुनाव को 'मैच फिक्स' करके लड़ना चाहती है। इंडिया गठबंधन की इस रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव, राजद के नेता तेजस्वी यादव और अन्य नेताओं ने भी भाषण दिए।

राहुल गांधी ने ईवीएम, मैच फिक्सिंग, सोशल मीडिया और मीडिया का जिक्र करते हुए कहा कि बीजेपी दबाव की राजनीति के बिना 180 सीटें तक नहीं जीत सकती। राहुल गांधी ने आईपीएल का जिक्र करते हुए कहा-आज आईपीएल मैच हो रहे हैं। जब अंपायरों पर दबाव डाला जाता है, खिलाड़ियों को खरीदा जाता है और कप्तानों को मैच जीतने की धमकी दी जाती है, तो इसे क्रिकेट में मैच फिक्सिंग कहा जाता है। हमारे सामने लोकसभा चुनाव हैं। अंपायरों को पीएम मोदी ने चुना था। दो खिलाड़ी हमारी टीम को मैच से पहले गिरफ्तार कर लिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा-कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है और चुनाव के बीच में हमारे सभी बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। हमें अभियान चलाना है, कार्यकर्ताओं को राज्यों में भेजना है, पोस्टर लगाना है लेकिन हमारे सभी बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। यह कैसा चुनाव है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- मैं आम आदमी पार्टी और उनके नेताओं-कार्यकर्ताओं को इस 'लोकतंत्र बचाओ' रैली के आयोजन के लिए धन्यवाद देता हूं।

'आपके केजरीवाल शेर हैं जल्द जेल से बाहर आएंगे'

- **रामलीला मैदान में पत्नी सुनीता केजरीवाल ने दिया भाषण**

नई दिल्ली (एजेंसी)। रैली में सुनीता केजरीवाल भी मौजूद रहीं। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक शेर हैं और जल्द वह जेल से बाहर आकर आम लोगों के बीच होंगे। सुनीता केजरीवाल ने कहा-ये भाजपा वाले कह रहे हैं कि केजरीवाल जी जेल में हैं, उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। क्या आप लोग चाहते हैं कि वे इस्तीफा दें। आपका केजरीवाल शेर है।

यूपी में नया गठबंधन पीडीएम, ओवैसी-पल्लवी ने मिलाया हाथ

- **औवेसी ने कहा-सिर्फ चुनाव तक नहीं रुकना, आगे भी करेंगे 'खेला'**

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए यूपी में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी की एंट्री हो गई है। एआईएमआईएम ने पल्लवी पटेल की पार्टी अपना दल (कमेरावादी) से गठबंधन किया है। चर्चा है कि 35 से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। लखनऊ में 2 बजे पल्लवी और असदुद्दीन ओवैसी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान ओवैसी ने कहा कि हमें इस चुनाव तक रुकना नहीं चाहिए। उसे आगे लेकर जाना चाहिए। हमें यकीन है कि यूपी की जनता पीडीएम को सहयोग करेगी। पल्लवी पटेल ने कहा कि अगर सुई की नोक बराबर नही देंगे, तो यह हठधर्मिता है। इसका मतलब है कि महाभारत होगा। इसके बाद पलल्वी ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता सुनाई। दे दो हमको 5 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के पीडीए के मुकाबले में पल्लवी पिछड़ा, दलित और मुस्लिम नेताओं यानी पीडीएम को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

इसके लिए उन्होंने यूपी में साइलेंट चल रहे ओवैसी से हाथ मिलाया है। यूपी में राज्यसभा चुनाव में भी पल्लवी पटेल और अखिलेश यादव के बीच तल्खी सामने आई थी। पल्लवी ने पहले राज्यसभा चुनाव में सपा के उम्मीदवारों को वोट नहीं देने की बात कही। हालांकि, बाद में उन्होंने सपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान किया। मगर, वह मतदान करने तब पहुंचीं, जब अखिलेश सदन से चले गए थे।

भारत से व्यापार को अब गिड़गिड़ा रहा पाकिस्तान

2019 से ही दोनों देशों के बीच व्यापार है निलंबित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने हाल ही में एक बयान दिया था। इसमें इन्होंने कहा था कि पाकिस्तान

भारत के साथ व्यापार फिर शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उनके इस बयान के बाद दोनों देशों के बीच लंबे समय से निलंबित बातचीत पर दुनिया का ध्यान गया। हालांकि इस्लामाबाद ने पुष्टि की कि उसकी आर्थिक नीति में कोई बदलाव नहीं होगा। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने हाल ही में लंदन की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत से व्यापार शुरू करने के संकेत दिए थे।

ममता बोलीं-बंगाल का मतलब केवल तृणमूल कांग्रेस

भाजपा 400 पार का नारा दे रही, पहले 200 सीटें जीतकर दिखाए

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि बंगाल का मतलब सिर्फ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) हैं। भाजपा लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा दे रही है। मेरा चैलेंज है कि वे पहले 200 सीटों का आंकड़ा पार करके दिखाए। बंगाल सीएम ने कहा- 2021 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 200 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया था, लेकिन उन्हें 77 पर रुकना पड़ा। भाजपा बंगाल में फिर बुरी तरह हारेगी। वे कह रहे कि उन्हें 400 सीटें मिलेंगी। ऐसा है तो ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है। ममता ने कृष्णानगर में अपनी पहली चुनावी रैली में ये बातें कहीं। वे टीएमसी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा का प्रचार करने पहुंची थी। उन्होंने कहा- क्या आप लोगों ने देखा कि महुआ के साथ क्या हुआ। सिर्फ इसलिए कि वह संसद में बोलती हैं। आपको महुआ के साथ

बंगाल की सभी 42 सीटों पर हमें जिताना है। ममता ने चुनावी रैली में कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा- बंगाल में कोई इंडिया गठबंधन नहीं है। सीपीआई (एम) और कांग्रेस भाजपा के लिए काम कर रही हैं। उन्हें वोट देने का मतलब भाजपा को वोट देना है। बंगाल सीएम ने आगे कहा कि वह राज्य में सिटीजनशिप अमेंडमेंट एक्ट (सीएए) लागू नहीं होने देंगी। उन्होंने कहा- सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का एक जाल है।

एयर इंडिया मामला

सीबीआई ने क्लोज किया केस तो भड़की कांग्रेस

कहा-पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से माफी मांगें मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी) एयर इंडिया के पट्टा घोटाले मामले में सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट लगा दी है। आरोप था कि यूपीए सरकार के समय में एयर इंडिया के पट्टा मामले में अनियमितता की वजह से लगभग 860 करोड़ रुपये का नुकासन हुआ था। उस समय प्रफुल्ल पटेल एविएशन मिनिस्टर थे। अब कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से माफी मांगनी चाहिए। यूपीए सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए गए थे। मोदी सरकार को देश की जनता से भी माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा, अजित पवार गुट

और भारतीय जनता पार्टी के बीच हुए गठबंधन की वजह से ही यह मामला बंद किया गया है। उन्होंने कहा, 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कथित घोटाले को लेकर कैग की रिपोर्ट लेकर सब जगह जाते थे। एक दिन पहले ही सीबीआई ने मामले की क्लोजर रिपोर्ट फाइल कर दी क्योंकि एनसीपी के प्रफुल्ल पटेल भाजपा के साथ चले गए। वह भाजपा की वॉशिंग मशीन में धुलकर साफ हो गए हैं। उन्होंने कहा, पीएम नरेंद्र मोदी को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और सारे देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, आखिर किस आधार पर मनमोहन सिंह पर आरोप लगाए गए थे। अपने राजनीतिक स्वार्थ को साधने के लिए गलत तथ्य पेश किए गए। रमेश ने कहा, कैग रिपोर्ट के आधार पर मनमोहन सिंह के खिलाफ चार्जशीट फाइल कर दी गई। उन्होंने मनमोहन सिंह सरकार के कथित घोटालों की जो लिस्ट बनाई, पूरी फर्जी थी। प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ जब मामला बंद हो गया तो यह क्या साबित करता है।

यूपी में इंडिया गठबंधन में फिर से लगा तगड़ा झटका

एक ही दिन में इंडिया अलायंस के लिए आई 2 बुरी खबरे

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही सभी राजनीतिक दल अलर्ट मोड में आ गए हैं। इस चुनाव में एनडीए और इंडिया अलायंस के बीच मुकाबला होने जा रहा है। बसपा और एआईएमआईएम जैसी पार्टियां अकेले दम पर

- **पहले पल्लवी पटेल और अब स्वामी प्रसाद ने छोड़ा साथ**

चुनाव लड़ने का दावा कर रही हैं। रविवार को विपक्षी गठबंधन को एक के बाद एक दो झटके लगे। आरएलडी के बाद अब अपना दल कमेरावादी पार्टी ने भी गठबंधन का साथ छोड़ दिया है। पल्लवी पटेल की पार्टी का ओवैसी के दल एआईएमआईएम से गठबंधन हो गया है। वहीं, स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी कुशीनगर और देवरिया सीट पर अपनी पार्टी का प्रत्याशी

उतारने का ऐलान कर दिया है। सपा से अलग होकर मौर्य ने राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाई है। सपा विधायक और अपना दल कमेरावादी पार्टी की नेता पल्लवी पटेल ने एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी से मुलाकात करके गठबंधन का ऐलान कर दिया है। पल्लवी के इस एलान से सबसे तगड़ा झटका सपा मुखिया अखिलेश यादव को लगने वाला है। रविवार को पल्लवी पटेल और असदुद्दीन ओवैसी की मुलाकात भी हो गई है। जानकारों की मानें तो स्वामी और पल्लवी पटेल के चुनाव लड़ने से सबसे ज्यादा इंडिया अलायंस को झटका लगेगा। अखिलेश यादव जिस पीडीए की बात कर रहे हैं, उस पर स्वामी, पल्लवी, ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद मिलकर पानी फेर सकते हैं। इन दलों के अलग-अलग लड़ने से वोटों का बिखराव होगा। इससे सत्ताधारी दल बीजेपी और उसके सहयोगियों को फायदा होगा। उधर सपा के सहयोगी रहे सुभासपा और राष्ट्रीय लोकदल पहले ही बीजेपी गठबंधन में शामिल हो चुका है।

ओड़िशा में अबकी मुश्किल में नवीन पटनायक की पार्टी

- **फिल्म स्टार तोड़ रहे बीजेडी से नाता, कई भाजपा में हुए शामिल**

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा की सियासत कभी भी फिल्मी दुनिया के प्रभाव से अछूती नहीं रही है। पिछले दो दशकों से कई अभिनेता बीजू जनता दल (बीजेडी) में शामिल होने के लिए कतार में थे। मगर अब 2024 में बीते 15 दिनों से भी कम समय में कम से कम

दो उड़िया अभिनेता बीजेडी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं। वहीं ऐसा बताया जा रहा है कि दो और लोकप्रिय सितारे भगवा पार्टी में शामिल होने के लिए तैयार हैं। गुरुवार को बरहामपुर से दो बार के बीजेडी सांसद और लोकप्रिय ओडिया फिल्म स्टार सिद्धांत महापात्रा दिल्ली में बीजेपी में शामिल हो गए और उन्होंने कबूल किया कि वह पीएम मोदी से प्रभावित हैं।

आयकर विभाग ने अब थमाया 3567 करोड़ रुपए का नोटिस

सरकार के ऊपर तिलमिला उठी कांग्रेस, भाजपा का भी पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव का बिगुल बजते ही कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी को आयकर विभाग ने अब तक 3567 करोड़ का नोटिस थमा दिया है। आपको बता दें कि शुक्रवार तक यह राशि 1823 करोड़ रुपये थे। इसके बाद कांग्रेस को शनिवार को तीन और नोटिस मिले और उसमें यह राशि बढ़ गई। आयकर विभाग ने साल 2014-15 में 663.05 करोड़ रुपये, 2015-16 में 663.89 करोड़ रुपये और 2016-17 में 417.31 करोड़ रुपये को नोटिस थमाया है। आपको बता दें कि कांग्रेस ने 2023 के अंत तक अपनी घोषणा संपत्ति करीब 1385 करोड़ रुपये बताया था। कांग्रेस ने आयकर विभाग द्वारा जारी 135 करोड़ रुपये की वसूली नोटिस के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस मामले को 2016 में दायर एक विशेष अनुमति याचिका के साथ जोड़ने की मांग की है। इस पूरे मामले पर कांग्रेस सांसद और वकील विवेक तन्खा ने

कहा, सुप्रीम कोर्ट में दायर पहले की विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में मूल मांग लगभग 26 करोड़ रुपये थी, जिसे घटाकर 11-12 करोड़ रुपये कर दिया गया था। अब वहीं राशि ब्याज जोड़ने के बाद 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है। यह पागलपन की पराकाष्ठा है। पिछले तीन दिनों में कांग्रेस से 3,567.3 करोड़ रुपये के भारी कर की मांग की गई है। यह हाल ही में कांग्रेस के बैंक खातों से बरामद किए गए 135 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा पेट्रोल पंप का निर्माण

ईंटखेड़ी के नागरिकों ने शिकायत दर्ज कराई

भोपाल। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग से बिना अनुमति मिले पर्यावरण को ताक पर रखकर भोपाल-बैरसिया मार्ग पर ग्राम ईंटखेड़ी में पेट्रोल पम्प निर्माण के विरुद्ध अब स्थानीय नागरिकों ने मोर्चा खोल दिया है।

जनप्रतिनिधियों को दर्ज कराई गई शिकायत में बताया गया है कि निर्धारित नियमों और आवश्यक नियामक अनुमतियों का उल्लंघन कर उक्त पेट्रोल पंप का निर्माण शासकीय अमले से मिलीभगत कर किया जा रहा है। धर्मेंद्र, अंकुर एवं अंकित सिंह सहित अन्य लोगों ने ज्ञापन देते हुए ग्राम ईटखेड़ी सड़क पर निर्माणाधीन रिलायंस बीपी मोबिलिटी लि. के पेट्रोल पंप के साथ भवन सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी मुद्दों के उल्लंघन के बारे में चिंता जताई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड के फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेल आउटलेट का निर्माण पूरी तरह से पेट्रोलियम नियम 2002, मप्र भूमि विकास नियम 2002 और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल नियमों का उल्लंघन है। इस मामले में स्थानीय नागरिक लगातार जिला प्रशासन को पत्र लिखकर रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड को सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के नियमों का पालन कराने की बात कर रहे हैं लेकिन उक्त रिटेल आउटलेट का निर्माण मप्र नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग द्वारा मप्र भूमि विकास नियम 2002 के अनुसार विकास अनुमति के बिना बेरोकटोक हो रहा है। अंकुर सिंह ने बताया कि नियम 144 पेट्रोलियम नियम 2002 के तहत जिला प्रशासन द्वारा रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड को जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि टीएनसीपी द्वारा स्पष्ट विकास अनुमति के बिना किसी भी निर्माण की अनुमति नहीं है। उनका कहना है कि इस निर्माण के लिए रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड की फ्रेंचाइजी ने न तो आवेदन किया है और न ही टीएनसीपी से विकास की अनुमति प्राप्त की है और बावजूद इसके पेट्रोल पंप का निर्माण कार्य चल रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि भोपाल जिला प्रशासन द्वारा जारी एनओसी का उल्लंघन हो रहा है इसलिए जारी किया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र वापस लिया जाए और अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि इसके अलावा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के नियम में स्पष्ट है कि किसी भी निर्दिष्ट आवासीय क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की खुदरा बिक्री की अनुमति नहीं है। यह रिटेल आउटलेट निर्दिष्ट आवासीय कॉलोनियों के बीच में बनाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि नागरिकों कि आपत्ति पर, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने पहले ही मप्र राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला प्रशासन और पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन को एक समिति बनाने और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नोटिस भी जारी किया है लेकिन स्थानीय प्रशासन को अनदेखी से लगातार निर्माण कार्य हो रहा है। नागरिकों ने मांग की है कि प्रशासन रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड की फ्रेंचाइजी द्वारा इस अवैध निर्माण गतिविधि को रोके और निर्धारित नियमों और शर्तों का उल्लंघन करके बनाए गए अवैध ढांचे को ध्वस्त किया जाए एवं रिलायंस बीपी मोबिलिटी लिमिटेड को जारी किया गया अनापत्ति प्रमाण पत्र भी वापस लिया जाए।

रंगपंचमी पर गेर के बीच इंदौर की जनता का अपनापन देखने को मिला

- गेर के बीच निकालनी पड़ी एंबुलेंस
- भीड़ में कॉरिडोर बनाने के एक नहीं तीन केस हुए

इंदौर (नप्र)। इंदौर में रंगपंचमी पर गेर के बीच इंदौर की जनता का अपनापन देखने को मिला। वह भी एक नहीं तीन बार। हम बात कर रहे हैं गेर में उन तीन लोगों की जिनकी तबीयत बिगड़ी थी। खजुरी बाजार से सायरन बजाती 108 एम्बुलेंस को जैसे ही इंदौरियों ने देखा तो रास्ता बनाने में जुट गए। तुरंत एम्बुलेंस के लिए रास्ता बनाया गया। इस बार पुलिस सुरक्षा के साथ लोगों के सेहत का भी काफी ध्यान रखा गया था। गेर में 10 एम्बुलेंस को अलग-अलग स्थानों पर तैनात किया गया था। गेर बीच में एम्बुलेंस इन कारणों से निकालना पड़ा।

आंख में रंग जाने से बिगड़ी थी युवक की तबीयत

दोपहर लगभग 12 बजे जब मिसाइल से रंग फेंका जा रहा था तब वहां अजय (20) नाम का एक युवक गेर देख रहा था। रंग उसकी आंख में चला गया। उसे काफी जलन होने लगी। लोगों से मदद मांगी। इस पर कुछ दूर खड़ी एम्बुलेंस (मानपुर) को सूचना दी गई। इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) देवराज दांगी और पायलट गोवर्धन पाटीदार ने उसे संभाला और हॉस्पिटल के लिए रवाना हुए। खचाखच भरी भीड़ के बीच से करीब 10 मिनट में ही मरीज को एमवाय हॉस्पिटल में पहुंचा दिया गया। अब उसकी हालत ठीक है।

युवक के पैर पर चढ़ गया था गाड़ी का पहिया

दोपहर को नृसिंह बाजार चौराहे के पास सागर (38) पिता सुरेश वर्मा निवासी सुभाष नगर के पैर पर पानी के टैंकर का पहिया चढ़ गया। इस पर लोगों ने कुछ दूर तैनात एम्बुलेंस (मानपुर) को सूचित किया। ईएमटी धर्मेंद्र और ड्राइवर महेंद्र पटेल उसे लेकर तुरंत एमवाय हॉस्पिटल रवाना हुए। युवक की हालत गंभीर होने पर वहां से प्राइवेट हॉस्पिटल ले जाया गया। डॉक्टरों ने मशक्कत के बाद सर्जरी से उसका पैर बचाया। भीड़ काफी थी। लेकिन लोगों ने सहयोग किया। समय पर हॉस्पिटल पहुंचने पर उसे जल्द इलाज मिला। अब उसकी हालत ठीक है।

घबराहट से बिगड़ी बुजुर्ग की तबीयत: गेर में डीजे की आवाज के कारण 65 वर्षीय बुजुर्ग हरिनारायण को घबराहट होने लगी। एम्बुलेंस (लसूडिया) को सूचना दी गई। ईएमटी सुनील मालवीय और ड्राइवर अंबुज पाल उन्हें एक प्राइवेट हॉस्पिटल ले गए। अब उनकी भी हालत ठीक है।

पोलो ग्राउंड भी भेजी गई थी कई एम्बुलेंस

एम्बुलेंस 108 सर्विस के सीनियर मैनेजर तरुण सिंह परिहार ने बताया कि गेर में 10 एम्बुलेंस एक्टिव थी। अब इन मरीजों की स्थिति संबंधित हॉस्पिटल से पता चलेगी। एम्बुलेंस स्टाफ का काम मरीजों को हॉस्पिटल में छोड़ना है। कई बार हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद हालत ठीक होने पर एडमिट नहीं किया जाता है। इंदौर में शाम को पोलो ग्राउंड में एक फैक्ट्री के पास आग लगने की घटना भी हुई। उस दौरान भी कई एम्बुलेंस वहां भेजी गई थी।

छुट्टी के दिन भी लोगों ने जल और संपत्ति कर भरे

- निगम के सभी काउण्टर खुले रहे थे, सभी रजिस्ट्रार कार्यालयों में हुईं रजिस्ट्रियां

इंदौर (नप्र)। 31 मार्च रविवार को वित्तीय वर्ष का आखिरी दिन होने से नगर निगम के सभी काउण्टर खुले थे। इस दौरान लोग जल कर और संपत्ति कर जमा कर रहे थे। ऐसे ही मुख्य रजिस्ट्रार कार्यालय सहित सभी सभी रजिस्ट्रार कार्यालय खुले हैं। लोग शाम तक रजिस्ट्रियां करवाई। 31 मार्च को संपत्ति और जल कर भरने को लेकर रही गहमागहमी दिखी। निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने करदाताओं से अपील की है कि अपने संपत्ति कर, जलकर व अन्य करों की बकाया जमा करवाकर शहर विकास में सहयोग प्रदान करें। रविवार अवकाश के दिन निगम मुख्यालय सहित सभी जोनल कार्यालय के केश काउण्टर खुले थे। करदाता बिना किसी कठिनाई के अपने कर की राशि जमा कर सकते हैं। करदाताओं के लिए उचित बैठक और पेयजल की व्यवस्था की गई थी।

महाकाल घटना में झुलसे 3 मरीज डिस्चार्ज

- इंदौर में पुजारी सहित सात का बर्न यूनिट में चल रहा इलाज

इंदौर (नप्र)। महाकाल मंदिर में होली के दिन पूजा के दौरान आग लगने से हुई घटना में पुजारी संजय शर्मा सहित झुलसे 12 लोगों को इंदौर के अरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। तीन मरीजों को डिस्चार्ज कर दिया गया। वहीं 9 मरीजों का अभी भी इलाज चल रहा है। इनमें से सात बर्न यूनिट में एडमिट हैं। यहां इलाज करा रहे सभी घायलों को एडमिट हुए तकरीबन एक हफ्ते का समय हो गया। इनमें से अधिकांश पुजारी और उनके परिवार के लोग हैं। सभी की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है। घायलों में मनोज शर्मा को ऑक्सीजन पर रखा गया है। नजदीकी रिश्तेदार आशीष शर्मा ने बताया कि पुजारी संजय शर्मा उनके साले हैं। उनका हाथ, पैर और गला जला है। मांसपेशियों में दर्द है लेकिन हालत ठीक है। एक अन्य सत्यनारायण सोनी भी बर्न यूनिट में हैं। वे शुगर पेशेंट है इसलिए उनके इलाज पर खास ध्यान दिया जा रहा है। 30 मार्च को मरीज कमल को डिस्चार्ज कर दिया गया था। रविवार को सोनू राठौर और मंगल को डिस्चार्ज कर दिया गया। ये सभी 5-10 प्रतिशत जले थे। दो मरीज रमेश (60) और मास्टर अंश शर्मा (12) वार्ड में एडमिट हैं। इन्हें भी जल्द डिस्चार्ज कर दिया जाएगा।

इंदौर में दो दिन से दिन-रात का तापमान एक जैसा

- बादल छाने से बना ऐसा मौसम; अब अगले हफ्ते से बढ़ेगी गर्मी

इंदौर (नप्र)। इंदौर में दो दिनों से दिन और रात का तापमान स्थिर है। दिन का तापमान जहां सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा है वहीं रात का तापमान सामान्य से 4 डिग्री ज्यादा बना हुआ है। इस दौरान रात को गर्मी ज्यादा सता रही है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दो दिनों से बादलों के छाने से तापमान में गिरावट आई है। अगले हफ्ते फिर सिस्टम बदलेगा और गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। शनिवार को दिन का तापमान 37.4 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.8 (+4) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था। शनिवार को दिन का तापमान 37.4 (+1) डिग्री और रात का तापमान 22.6 (+4) डिग्री सेल्सियस रहा। रविवार को धूप खिलने के साथ बीच-बीच में बादलों के छाने का दौर चल रहा था।

इंदौर में देर रात बजरंगियों का हंगामा

वर्ग विशेष के युवक के साथ युवती मिली तो भेजा थाने

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राऊ में शनिवार रात वर्ग विशेष के युवक के साथ एक युवती के मिलने पर बजरंगियों ने हंगामा कर दिया। पुलिस को मौके पर ही बुलाकर युवक को पुलिस को सौंप दिया। पीड़िता के परिवार के लोगों को रविवार को थाने बुलाया गया था। राऊ पुलिस ने साजिद इस्लाम नाम के व्यक्ति को हिरासत में लिया है। वह बिहार का रहने वाला है। इंदौर में कादंबरी नगर में रह रहा था। शनिवार रात बजरंगदल के पदाधिकारी राम डांगी को जानकारी मिली थी कि कादंबरी नगर में साजिद के साथ एक युवती रूकी है। जब बजरंगी यहां पहुंचे तो पुलिस भी साथ थी। बजरंगियों ने साजिद से युवती के बारे में पूछा तो वह उसे अपनी साली बताने लगा। लेकिन रात युवती पूछताछ में ज्यादा जवाब नहीं दे पाई। बाद में पुलिस साजिद को थाने ले गई।

पड़ोस में रहती है युवती

बजरंगियों ने आरोप लगाया कि युवती गांव की रहने वाली है। उन्हें बहला फुसलाकर अपने पास बुलाया। युवती के माता-पिता गांव में रहते हैं। वह कादंबरी नगर में अपने भाई के साथ रहती है। युवती का भाई रात में ड्यूटी पर गया। इस दौरान साजिद ने उसे बुलाया। राऊ पुलिस के मुताबिक अभी युवती के बयान नहीं हुए हैं। उसकी शिकायत के बाद ही साजिद पर कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर-काशी के लिए डायरेक्ट फ्लाइट शुरू

हफ्ते के सातों दिन मिलेगी सुविधा उड़ान का शेड्यूल और किराया तय

इंदौर (नप्र)। इंदौर-वाराणसी के बीच सीधी उड़ान शुरू हो गई है। इस फ्लाइट का संचालन इंडिगो एयरलाइंस करेगी। इंडिगो ने मार्च से शुरू हुए समर शेड्यूल में इसका प्रस्ताव एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को दिया था। इंदौर एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो सप्ताह के सातों दिन इस फ्लाइट का संचालन करेगी। बता दें कि इंडिगो पहले भी इंदौर-वाराणसी के लिए सीधी उड़ान का संचालन करती थी, लेकिन कोरोना काल के दौरान यह फ्लाइट बंद हो गई थी। अब यात्रियों की मांग को देखते हुए कंपनी इसे आज से दोबारा शुरू करने जा रही है।

धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

यदि किसी को एक ही दिन में लौटना हो तो यह फ्लाइट काफी सुविधाजनक रहेगी। सुबह 11 बजे वाराणसी पहुंचने के बाद श्रद्धालु दर्शन-भ्रमण कर रात में लौट भी सकेंगे। ट्रेवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि इंदौर से वाराणसी फ्लाइट शुरू होने से धार्मिक पर्यटन को सबसे ज्यादा बढ़ावा मिलेगा। कुछ समय पहले काशी विश्वनाथ मंदिर और कॉरिडोर को नए रूप में तैयार किए जाने के बाद यहां जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है। इसी तरह उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के बाद भी यही हाल है। दोनों ही ज्योर्तिलिंगों में बड़ी संख्या में दर्शनार्थी जा रहे हैं। इस फ्लाइट के शुरू होने से दोनों ज्योतिलिंग हवाई मार्ग से भी जुड़ जाएंगे और दर्शनार्थियों को काफी सुविधा होगी। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के एक और शहर से इंदौर का कनेक्शन भी जुड़ जाएगा।

दिल्ली-मुंबई से महंगा वाराणसी का किराया: ट्रेवल एजेंट्स से मिली जानकारी के मुताबिक 31 मार्च यानी पहले दिन का इंदौर से वाराणसी की फ्लाइट का किराया करीब 8 हजार रुपए है। 10 अप्रैल तक किराया लगभग ऐसा ही है, वहीं 10 से 15 अप्रैल के बीच भी किराया साढ़े 6 से 7 हजार के बीच ही है। जबकि इस दौरान दिल्ली, मुंबई जैसे प्रमुख शहरों के लिए उड़ाने साढ़े चार से पांच हजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

नाबालिग बच्ची से अननैचुरल सेक्स

ट्यूशन टीचर के बेटे की हरकत; 'किसी को बताया तो मां मर जाएगी' कहकर चुप करता था

इंदौर (नप्र)। इंदौर के हीरानगर इलाके में रहने वाली एक साढ़े सात साल की बच्ची से अननैचुरल सेक्स करने का मामला सामने आया है। बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने ट्यूशन टीचर के बेटे पर केस दर्ज किया है। बच्ची के पिता नहीं हैं। मां काम पर जाती है इसलिए वह ज्यादातर समय ट्यूशन टीचर के घर ही रहती थी। आरोपी ने इसी दौरान बच्ची के साथ कई बार गलत हरकत की।

हीरानगर पुलिस ने 39 साल की महिला की शिकायत पर आरोपी पर रेप सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। पीड़िता बाणगंगा इलाके में रहती है लेकिन वह नौकरी पर जाने के पहले बच्ची को हीरा नगर में रहने वाली उसकी ट्यूशन टीचर के घर छोड़ देती थी। इसी दौरान मौका पाकर आरोपी बच्ची के साथ गलत हरकत करता था।

मां ने पुलिस को बताया कि 24 मार्च को बेटी ने टीचर के घर जाने से इंकार किया। मां ने कारण पूछा तो उसने भैया का नाम लेकर गलत बात करने की बात कही। बच्ची की मां ने उससे दोबारा पूछा तो उसने इंकार करते हुए कहा कि भैया ने आपकी कसम दी है। उनका कहना है कि यह बात वह किसी को बताएगी तो मां मर जाएगी। लेकिन पीड़िता ने बच्ची को भरोसा दिलाया कि ऐसा कुछ नहीं होता। उसके बाद बच्ची ने बताया कि आरोपी उसके प्राइवेट पार्ट से छेड़छाड़ करने के साथ कई तरह की गंदी हरकतें करता है।

दो साल से जा रही थी कोचिंग-पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि बच्ची दो साल से यहां कोचिंग जाती है। छुट्टी के दिन पूरा समय कोचिंग पर टीचर के घर ही रहती थी। परिवार के मुताबिक टीचर को भी अपने बेटे की इस तरह की हरकत के बारे में जानकारी नहीं थी।

सीडब्लूसी ने भी की काउसलिंग-बच्ची की मां इस मामले में सीडब्लयूसी में पहुंची। यहां प्रेसीडेंट पल्लवी पोरवाल ओर मेंबर संगीता चौधरी ने बच्ची की दो दिनों तक काउसलिंग की। जिसमें बच्ची ने कई बातों के बारे में बताया। इसके बाद सीडब्लूसी ने पूरे मामले में हस्तक्षेप करते हुए पुलिस को लेटर भी दिया। इसके बाद मामले में कार्रवाई हो पाई।

नाबालिग का अपहरण कर रेप किया

आठ दिन बाद दर्द हुआ तो की पुलिस से शिकायत, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर (नप्र)। इंदौर के हीरानगर इलाके में 14 साल के एक नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शनिवार को केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। हीरानगर पुलिस ने इलाके में रहने वाले 14 साल के लड़के की शिकायत पर आरोपी केशव के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़ित नाबालिग ने बताया कि शुक्रवार की रात उसे प्राइवेट पार्ट में तेज दर्द हुआ। मां ने पूछा तो उसने पूरी घटना बताई। पुलिस के मुताबिक पीड़ित ने मां से कहा कि वह 20 मार्च की रात को भजन संध्या से घर लौट रहा था। तभी केशव ने उसे पकड़ा और सुनसान जगह पर ले जाकर गलत काम किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इसलिए वह चुप रहा।

इंदौर रेलवे पटरी पर मिला शव

मौके पर पहुंची पुलिस ने कहा मृतक को संभलने का मौका नहीं मिला

इंदौर (नप्र)। इंदौर के हीरानगर इलाके में रेलवे पटरी से कटकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना के बाद यहां पुलिस मौके पर पहुंची है। मामला एक्सीडेंट का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक शंकरखेड़ी एमआर 10 के यहां रेलवे पटरी पर रविवार सुबह 9.30 बजे एक व्यक्ति के शव की सूचना मिली। यहां मौके पर बीट के जवानों को भेजा गया।

इंदौर एसटीएफ ने पकड़ी ढाई लाख की अवैध शराब

इंदौर (नप्र)। इंदौर एसटीएफ ने बड़ी मात्रा में शराब जब्त की है। इसकी कीमत 20 लाख रुपए बताई जा रही है। इंदौर का एक ट्रांसपोर्टर उसे सांठगांठ से गुजरात भेज रहा था। उसने यह शराब किराना सामान के पीछे छिपाकर रखी थी। एसटीएफ के अफसर इस मामले में जल्द कार्रवाई करेंगे। एसटीएफ के डीएसपी राजेश सिंह की टीम हेड कांस्टेबल रत्नेश पांडे, महेश चौहान ओमवीर सिंह को सूचना मिली थी।

दोस्तों के साथ नहाने गया नाबालिग डूबा

एसडीआरएफ की टीम ने दूसरे दिन निकाला शव, तैरते हुए गहराई में चला गया था

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा में शनिवार को दोस्तों के साथ नहाने गया एक 15 साल के नाबालिग की डूबने से मौत हो गई। डर के चलते दोस्तों ने यह बात परिवार को नहीं बताई। रात में परिवार को जानकारी लगी। सुबह जांच टीमें पहुंची और बच्चे को ढूंढना शुरू किया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद बच्चे का शव मिला है। जिसे पोस्टमार्टम के लिए अरबिंदो अस्पताल भेजा गया है। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक बच्चे का नाम पवन (15) पुत्र नकुल विश्वकर्मा निवासी राम नगर है। उसका शव टिगरिया बादशाह के तालाब में रविवार सुबह साढ़े 9 बजे के लगभग टीम ने काफी मशक्कत के बाद बरामद किया। पवन शनिवार की दोपहर में डूबा था। उसे दोस्त वहीं छोड़कर घर आ गए। रात में बच्चे के परिजनों के पूछने पर मामले की जानकारी लगी। पवन इलाके के सरकारी स्कूल में क्लास 9 वी में पढ़ाई करता था।

दोस्तों के साथ गया था नहाने

पुलिस के मुताबिक पवन के सभी दोस्त नाबालिग हैं। शनिवार सुबह 11 बजे चार से पांच दोस्तों के साथ पवन यहां नहाने पहुंचा था। इस दौरान पवन तैरते हुए गहराई में चला गया। दोस्तों ने उसका हाथ पकड़ने के बाद उसे निकालने की कोशिश की। लेकिन वह काफी अंदर तक चला गया। इस घटनाक्रम से उसके दोस्त डर गए। वे सभी घबराकर करीब डेढ़ बजे के अपने-अपने घर चले गए।

परिवार ने ढूंढा तो रात में पहुंचे थाने

पवन परिवार के लोगों को दिनभर नहीं दिखा तो उन्हें लगा कि वह दोस्तों के साथ रंगपंचमी मनाने गया होगा। देर शाम तक जब वह घर नहीं पहुंचा तो सुबह उसके साथ घूम रहे दोस्तों से परिवार ने पूछताछ की। उन्होंने बताया कि तालाब में नहाने के दौरान पवन डूब गया। रात में परिवार थाने पहुंचा। यहां पुलिस को जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो पवन के कपड़े ओर जूते मिले।

पुलिसकर्मी ने स्ट्रीट डॉग को डंडों से पीटकर मार डाला

रहवासियों की शिकायत पर पीपुल्स फॉर एनिमल ने दर्ज करवाया केस

इंदौर (नप्र)। इंदौर के गांधीनगर इलाके में एक स्ट्रीट डॉग को डंडों से पीट-पीटकर मार डाला। पुलिस ने पुलिसकर्मी के खिलाफ केस दर्ज किया है। वह आरएपीटीसी में एसआई के पद पदस्थ है। गांधी नगर पुलिस ने बताया कि घटना कल्याण संपत हिल्स की है। यहां तीन से चार माह के स्ट्रीट डॉग को विकास नाम के युवक ने डंडों से बुरी तरह पीटा। इससे उसकी मौत हो गई।रहवासियों ने इसकी सूचना पीपुल्स फॉर एनिमल्स की इंदौर इकाई की प्रेसीडेंट प्रियांशु जैन को दी। प्रियांशु ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया। स्ट्रीट डॉग का रविवार को पोस्टमार्टम भी कराया गया।

रॉटविलर डॉग ने फैशन डिजाइनर को काटा, मालकिन पर केस: इंदौर की अन्नपूर्णा पुलिस ने एक फैशन डिजाइनर युवती की शिकायत पर रॉटविलर नस्ल के डॉग के मालिक पर केस दर्ज किया है। पीड़िता के मुताबिक मालकिन ने उसके पीछे अपना कुत्ता छोड़ दिया। पुलिस के मुताबिक सुदामा नगर में मयूरी अग्रवाल अपने दोस्त हिमांशु के यहां आई थी। रात में वह बाहर खड़े होकर बात कर रहे थे। तभी हिमांशु और उसके भाई के बीच कहासुनी हो गई। वहां नजदीक ही काले रंग का रॉटविलर कुत्ता घूम रहा था। जो सोना चावला का था। सोना ने उसे मयूरी के ऊपर इशारे बताते हुए छोड़ दिया। इससे कुत्ते ने मयूरी के पैर में काट लिया। पीड़िता को उसके दोस्तों ने छुड़ाया। बाद में थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई है।

संपादकीय

लोगों का विश्वास जीतने का अगला कदम

यह जम्मू-कश्मीर के लिए बड़ी राहत की बात होगी, अगर केंद्र सरकार वहां से सशस्त्र बल अधिनियम यानी अफस्पा हटा कर नागरिक ठिकानों की सुरक्षा-व्यवस्था पुलिस को सौंप दे। केंद्रीय गृहमंत्री ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया है। जल्दी ही वहां विधानसभा चुनाव कराने और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी पूरी तरह पुलिस के हाथों में सौंप देने का वचन दोहराया है। वैसे आतंकवाद पर काफी हद तक काबू पाया जा चुका है। सरकार का मानना है कि अब घाटी में आतंकवाद पर काफी हद तक काबू पाया जा चुका है। आतंकी संगठनों को वित्तपोषण करने वाले व्यक्तियों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका, उनकी परिसंपत्तियां कुर्क की जा चुकी हैं और उनके बैंक खाते बंद कर दिए गए हैं। कई आतंकी संगठनों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उनकी सक्रियता समाप्त हो गई है। अब वहां की पुलिस भी सुरक्षा-व्यवस्था संभालने के मामले में सक्षम हो चुकी है। हालांकि वहां से अफस्पा हटाने की मांग लंबे समय से की जाती रही है, मगर विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने के बाद जिस तरह वहां अलगाववादी ताकतें सक्रिय हो गई थीं, उसके मद्देनजर अधिक संख्या में सेना को उतारना और अफस्पा को लगाए रखना जरूरी हो गया था। अब वहां विधानसभा चुनाव की मांग भी जोर पकड़ रही है, ऐसे में जैसा कि केंद्र सरकार मानती है, वहां आतंकवाद कमजोर हुआ है, अफस्पा हटाने का फैसला एक बड़ा कदम साबित होगा। दरअसल, अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों को शक के आधार पर किसी की भी गिरफ्तारी, बिना किसी मंजूरी के तलाशी और गोली तक चला देने के अधिकार मिले होते हैं। इससे घाटी में सेना पर ज्यादतियों के आरोप लगते रहे हैं। फर्जी मुठभेड़ों, बड़ी संख्या में नागरिकों के लापता होने, मानवाधिकारों के हनन और बेकसूर लोगों के मारे जाने की ढेरों शिकायतें दर्ज हैं। वैसे भी नागरिक ठिकानों पर सशस्त्र बलों की तैनाती जनतांत्रिक मूल्यों के लिहाज से अच्छी बात नहीं मानी जाती। कानून-व्यवस्था राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र का विषय है। मगर अफस्पा के तहत सशस्त्र बलों की तैनाती की जाती है, तो उससे राज्य के अधिकारों का हनन भी होता है। हालांकि इस वक्त जम्मू-कश्मीर में कोई राज्य सरकार नहीं है, पर नागरिक अधिकारों के लिहाज से सशस्त्र बलों की तैनाती और उन्हें अफस्पा का अधिकार दिया जाना उचित नहीं माना जाता है। वैसे भी सेना को नागरिक क्षेत्रों की सुरक्षा का प्रशिक्षण नहीं दिया जाता। उन्हें कानून-व्यवस्था संबंधी मामलों की समझ भी नहीं होती। पुलिस को न केवल नागरिक सुरक्षा, बल्कि अनेक स्थानीय विवादों को निपटाने की भी जिम्मेदारी होती है, वह सशस्त्र बलों की मौजूदगी से बाधित होती है। घाटी में सशस्त्र बलों की सघन मौजूदगी की वजह से स्थानीय नागरिकों में रोष देखा जाता रहा है। इससे सरकार की नागरिकों से दूरी भी बढ़ती है। अगर नागरिक ठिकानों से सेना को हटा दिया जाता है, तो सरकार की योजनाओं की पहुंच भी स्पष्ट नजर आएगी। स्वाभाविक है, इससे नागरिकों का सरकार पर भरोसा बनेगा। इस तरह विधानसभा चुनावों के बाद सरकारी गतिविधियों के लिए एक समतल जमीन बन सकेगी। इस वक्त जम्मू-कश्मीर में सबसे जरूरी है सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास बहाली की। इसके बिना स्थानीय युवाओं में भटकाव को दूर करना और उन्हें आतंकी गतिविधियों से मोड़ कर मुख्यधारा में लाना कठिन ही बना रहेगा, क्योंकि अफस्पा के चलते वहां के लोगों के भीतर अनेक प्रकार की कड़वाहटें भरी हुई हैं।

डेक्कन-डायरी

डॉ. सुधीर सक्सेना

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तेलंगाना: किसकी गलेगी दाल?

देगची एक है और दाल अनेक। पानी का क्वथनांक एक ही है, लेकिन दालों की तासीर भिन्न-भिन्न है। लिहाजा यह भविष्यवाणी नहीं की जा सकती कि किसकी कितनी दाल गलेगी? और फिर दस साल पहले भट्टी पर पहली दफा चढ़ी इस देगची का रंग भी जब-तब बदलता रहता है। उसके धात्विक गुणों के बारे में भी कहना कठिन है। ऐसे में दावा नहीं किया जा सकता। हां, कयास जरूर लगाये जा सकते हैं।

चार मीनार, सालारजंग म्यूजियम, दक्खना, मोतियों और दस्तरख्वान के लिये मशहूर हैदराबाद तेलंगाना की राजधानी है। वहां तेलंगाना का दिल धड़कता है। वहां के लोगों की बातां सुनकर सियासी मिजाज को थोड़ा-बहुत जाना जा सकता है। तेलंगाना ने कुछ माह पहले रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस को सत्ता सौंपकर देशभर के राजनीतिक पंडितों और नजूमियों को चौंका दिया था। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर आज फिर अटकलों का बाजार गर्म है। दरोदीवार पर अंदाजों के सब्जे उग रहे हैं।

तेलंगाना में लोकसभा की 17 सीटें हैं। अधिकांश पर भारत राष्ट्र समिति काबिज है। जाहिर है कि उसकी प्रतिष्ठा दांव पर है, क्योंकि उसे अपने किले बचाने हैं। यह मुश्किल इस नाते है, क्योंकि विधानसभा चुनावों में उसकी भद्द पिटी है। उसे सत्ता गंवानी पड़ी है। दूसरे केन्द्र सरकार की एजेंसियों ने उसकी नाक में दम कर रखा है। 15 मार्च को बीआरएस की सांसद सुश्री कविता की ईडी द्वारा गिरफ्तारी इसकी ताजा कड़ी है। कविता की गिरफ्तारी दिल्ली सरकार की विवादास्पद लिकर पॉलिसी मामले में मनी लांड्रिंग के आरोप में हुई है। गौरतलब है कि कविता तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री चन्द्रशेखर राव की बेटी हैं। दिल्ली में अदालत में पेश किये जाने पर क्षुब्ध कविता ने अपनी गिरफ्तारी को अनुचित, दुर्भावनापूर्ण और प्रतिशोधात्मक बताया। उन्होंने कहा कि वह इस अन्याय के खिलाफ लड़ेंगी। उनका तर्क है कि सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए 19 मार्च की तारीख मुकर्रर होने के बाद चार दिन पहले उनकी आनन-फानन गिरफ्तारी का कोई औचित्य नहीं है। बहरहाल, कविता को अदालत से कोई राहत नहीं मिली। हां, यह जरूर हुआ कि विशेष अदालत ने पूछताछ के वक्त सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की हिदायत दी और परिजनों से मुलाकात की मोहलत भी।

इसमें शक नहीं कि भारत राष्ट्र समिति इन दिनों अपने बुरे वक्त से गुजर रही है। राज्य की सत्ता गंवाने के बाद संसद में प्रतिनिधित्व के मामले में भी उसका वर्चस्व खंडित होने के आसार हैं। सन् 2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना के मतदाताओं ने बीआरएस के सांसदों की संख्या दहाई में पहुंचा दी थी। इस बार यह संख्या घटेगी। सन् 2019 में कांग्रेस के सिर्फ तीन सांसद लोकसभा में पहुंचे थे। ये थे कोमारेड्डी वेंकटरेड्डी, रेवंत रेड्डी और उत्तम कुमार रेड्डी। प्रदेश के सिर्फ तीन लोकसभा क्षेत्रों भोंगीर, मल्काजगिरि और नलगोंडा ने कांग्रेस का साथ दिया था। इस बार कांग्रेस के सांसदों की संख्या बढ़ेगी। बीआरएस की लोकप्रियता में गिरावट के चलते बीजेपी को विशेष क्षति का अनुमान नहीं है और उसकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बीआरएस के लिये बड़ी चिंता की बात यह है कि उसके सुप्रीमो केसीआर खराब स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं। उनकी सेहत के बारे में लगातार चिंतनीय खबरें मिल रही हैं। साथ ही उनके कार्यकर्ताओं का मनोबल भी टूटा हुआ है। ऐसे में तेलंगानों से सांसदों की तालिका में उसका तीसरी पायदान पर सरकना निश्चित प्राय है। ऐसा नहीं लगता कि बहुजन समाज पार्टी से गठजोड़ से उसे कोई खास नफा होगा। ज्ञातव्य है कि केसीआर और बसपा के राज्य प्रमुख आरएस प्रवीण कुमार के मध्य तेलंगाना में मिलजुल कर चुनाव लड़ने पर सहमति बनी है।

तेलंगाना की राजनीति में हैदराबाद जिले का सियासी मिजाज अलग मायने रखता है। हैदराबाद आंध्र व तेलंगाना की राजधानी होने के अलावा लंबे समय तक निजामशाही का मरकज रहा है। हैदराबाद को रजाकारों के दिन भी याद हैं। हैदराबाद के संसदीय क्षेत्र में आजादी के बाद करीब पाव सदी तक कांग्रेस का वर्चस्व रहा और अहमद मोहीउद्दीन, विनायक कोरटकर, गोपीनाथ सुब्बुकृष्णा तथा केएस नारायणा सांसद चुने गये। इस बीच सन् 71 के चुनाव में तेलंगाना प्रजा समिति ने जीत दर्ज की, लेकिन सन् 84 के बाद यह सीट ओवैसी परिवार के ताबे में चली गयी। सन् 84 में सुल्तान सलाहुद्दीन ने पहली दफा जीतने के बाद सन 2004 तक लगातार सात बार जीत का परचम लहराया। उसके बाद उनके बेटे असदुद्दीन ओवैसी ने उनकी विरासत संभाली। कभी इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस मुख्य प्रतिद्वंद्वी हुआ करती थी, किंतु शनैः शनैः बीजेपी ने उसे मुख्य मुकाबले से अपदस्थ कर दिया। उसने यहां अपने वोट बैंक का आहिस्ता-आहिस्ता विस्तार किया। याद करें कि उसने सन् 96 में यहां से वेंकैया नायडू को चुनाव मैदान में उतारा था, लेकिन वह ओवैसी से 73273 वोटों से परास्त हुए।

बहरहाल, अब सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के दौर में बीजेपी ने यहां बखूबी मोर्चा संभाल लिया है। गोशा-महल से तुर्शजुबां नेता राजा सिंह की जीत से बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा हुआ है। वैसे वृहत्तर हैदराबाद कांग्रेस और एआईएमआईएम के वर्चस्व में विभाजित है और बीआरएस हाशिये में सरक गयी है। नामपल्ली, चारमीनार, याकूतपुरा, मलकपेटा, कारवान और चंद्रायनगुट्टा मजलिस के प्रभाव-क्षेत्र में हैं; तो सिकंदराबाद, खिराताबाद, सनतनगर और मुशीराबाद कांग्रेस के असर में। अंबरपेट और गोशामहल में बीजेपी की पैठ है। ऐसे में बीजेपी ने इस बार बहुत सोच-विचारकर डॉ. माधवी लता को मैदान में उतारा है। कट्टर हिंदुत्ववादी डॉ. माधवी मेहनती और जुझारू नेत्री हैं। वह भरतनाट्यम की ख्यातनाम नृत्यांगना हैं और लोपामुद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट व अन्य संस्थाओं के जरिये शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं। वह गौशाला की भी संचालक हैं। तीन तलाक मुद्दे पर वह मुस्लिम ख्वातीन के बीच खूब सक्रिय रहीं। ओवैसी की तरह उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं है, लेकिन यह तय है कि वह कड़ी चुनौती पेश करेंगी। ओवैसी की भांति उनका ट्रस्ट भी अस्पताल चलाता है। वह ओजस्वी वक्ता भी हैं। पिछले चुनाव में बीजेपी के भगवतराव को 2.35 लाख वोट मिले थे। सन् 2004 का चुनाव काफी संघर्षपूर्ण रहा था। तब बीजेपी के सुभाषचंद्र को करीब पौने तीन लाख और कांग्रेस के कोंडा लक्ष्मारेड्डी को करीब ढाई लाख वोट मिले थे, लेकिन ओवैसी ने बाजी जीत ली थी। इस तथ्य को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि राज्य में सन् 2014 में बीजेपी का वोटबैंक केवल सात प्रतिशत था, जो सन् 2023 में हुए चुनाव में बढ़कर करीब 15 फीसद हो गया।यही वह संदर्भ है, जिसने बीजेपी के मन में गुंचे खिलने की उम्मीद जगा दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तेलंगाना के दौरे जारी हैं। वह अपने भाषणों की शुरूआत तेलुगु-वाक्यावलि से करते हैं। तेलंगाना को वह कांग्रेस का एटीएम करार देते हैं, खानदानी शासन पर प्रहार करते हैं और कांग्रेस तथा बीआरएस को एक थैली का चट्टा-बट्टा बताते हैं। जहां सीएम रेवंत रेड्डी को कांग्रेस को जीत के ज्यादा पदक मिलने का यकीन है, वहीं मोदी और उनकी पार्टी को विश्वास है कि अबकी बार 400 पार में तेलंगाना का उल्लेखनीय योगदान होगा।

राजनीति

विवेक कुमार मिश्र

लोकतंत्र का महापर्व: लोकसभा चुनाव 2024

लोकतंत्र का महापर्व चुनाव 2024 सामने है। भारत के नागरिक का यह कर्त्तव्य है कि वह लोकतंत्र के इस उत्सव में भागीदार बने। मतदाता होना एक जिम्मेदारी से भरा नागरिक धर्म है। आप मतदाता हैं। आपका नाम मतदाता सूची में है पर बात यहीं नहीं पूरी होती है। जब आप मतदान करते हैं अपने बायें हाथ की तर्जनी पर अमिट स्याही का निशान लगवाते हैं तब जाकर आप वास्तव में मतदाता होते हैं। मतदाता होना सच में गौरव की अनुभूति से जुड़ा हुआ है। आपकी भूमिका सरकार के निर्माण में होती है। आप सभी मतदाताओं से अपील है कि मतदान के दिन सबसे पहले अपने मतदान केंद्र जाएं और पंक्ति में लगकर मतदान करें। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते यह अवसर और भी महत्वपूर्ण बन जाता है कि आप मतदाता के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभायें और सबसे पहले यह देखें कि आपका नाम मतदाता सूची में है कि नहीं है। इसे मतदान केंद्र पर भी बी.एल.ओ. के माध्यम से देखा जा सकता है । आज की पीढ़ी डिजिटल पीढ़ी है जो तकनीकी संसार को बहुत अच्छी तरह समझती है। इस स्थिति को समझते हुए भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं को सुविधा प्रदान करने के लिए ऐप जारी किये हैं जो मतदाताओं को सुविधा प्रदान करते हैं और मतदाता के रूप में हम किस तरह अपना कार्य करें इसे समझने के लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप, सी विजिल ऐप, सक्षम ऐप तथा केवाईसी ऐप हैं जो मतदाता को ध्यान में रखकर कर डेवलप किये गये हैं। मतदाता की जागरूकता लोकतंत्र को मजबूत करती है। मतदाता होना गौरव की बात है। यह शक्ति संविधान ने दी है। नागरिक का यह पहला कर्तव्य है कि वह सबसे पहले मतदाता बने। अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए मतदान करने के लिए जाएं। एक नागरिक के रूप में हर मतदाता की यह जिम्मेदारी है कि वह सबसे पहले मतदान करें। मतदान का दिन एक जिम्मेदारी भरे कदम का दिन है। जब आप अपने परिवार के साथ मतदान करने जाते हैं तो लोकतंत्र को मजबूत करते हैं। लोग नाचते कूदते हंसी खुशी जब मतदान के लिए जाते हैं तो यह अवसर एक उत्सव की तरह हो जाता है। इस तरह की स्थिति गांवों में ज्यादा दिखाई देती है । गांव के मतदाताओं में एक उत्साह और उर्जा का भाव दिखाई देता है इसे वे मेला की तरह लेते हैं। वहीं शहरों में अक्सर यह देखने में आता है कि पढ़ें लिखे होने के बावजूद सारी सुविधाओं का भोग करने के बाद भी एक विचित्र किस्म की उदासीनता पायी जाती है । घर में होने के बावजूद भी मतदान के लिए नहीं निकलते या कम निकलते हैं ऐसे में शहरी मतदाताओं से यह कहना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है कि चाहे जितना आपका समय कीमती हो पर वह देश और लोकतंत्र से कीमती नहीं है। अतः देश के लिए, लोकतंत्र के लिए अपने अपने घरों से निकल कर मतदान केंद्र जाएं और मतदान करें। अपने कदम को लोकतंत्र से जोड़े। यह कदम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इस कदम के साथ आप अपने लिए सरकार का चुनाव करते हैं। सरकार बनाने की भूमिका में जितना ज्यादा मतदाता होते हैं उतना ही लोकतंत्र मजबूत होता है। बढ़ता मतदान का प्रतिशत लोकतंत्र की मजबूती का संकेत है।

यहां से आम आदमी की ताकत देखने को मिलती है। हर आदमी जो यह कहता है कि मैं भारत का नागरिक हूं और मतदान करना मेरी जिम्मेदारी है। वह लोकतंत्र को मजबूत करता है। मैं भारत हूं। मैं भारत का मतदाता हूं। इस तरह आम आदमी भारत को, लोकतंत्र को मजबूत करने का काम करता है। जब इस तरह हम व्यवहार करते हैं तो मतदाता के रूप में जहां अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं वहीं अपने नागरिक धर्म को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

आज जब पूरा भारत ही मोबाइल व नेटवर्क से जुड़ा है तो उसके लिए भरत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी सभी ऐप बहुत काम के हो जाते हैं। वोटर हेल्पलाइन ऐप मतदाता से संबंधित पूरी जानकारी रखता है। इस ऐप के माध्यम से हम सब अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं। नाम, जन्मतिथि या अन्य कोई सूचना ग़लत है तो उसमें सुधार कर सकते हैं। वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से आप अपना व अपने आसपास के लोगों का नाम देख सकते हैं। इसके लिए वोटर हेल्पलाइन ऐप प्ले स्टोर से डाउनलोड करना होगा और उसमें जो ऋम अनुसार मांग रहा है उसे पूरा करते जाएं। मतदाता से संबंधित सभी जानकारी आपको मिल जाएगी। इस ऐप पर आप अपनी स्थिति देख सकते हैं। अपने आसपास के अन्य लोगों की स्थिति भी देख सकते हैं। मतदाता साक्षरता की दिशा में यह एक बहुत बड़ा योगदान होगा । इस रूप में आप अपने कर्तव्य का निर्वहन कर सकते हैं।

राजस्थान में मतदान दो चरणों में है। प्रथम चरण 19 अप्रेल तथा दूसरा चरण चरण 26 अप्रेल है। कोटा बूंदी लोकसभा क्षेत्र में मतदान की तिथि दूसरे चरण में 26 अप्रेल 2024 को प्रातः 7.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक मतदान का समय तय है। एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में हम सबका यह कर्तव्य बनता है कि सबसे पहले मतदान करें।

80 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए होम वोटिंग की व्यवस्था भारत निर्वाचन आयोग ने की है। इसके लिए सबसे पहले आवेदन करना होगा। इसी तरह दिव्यांग मतदाताओं के लिए भी घर से मतदान की व्यवस्था है। पर जो मतदाता मतदान केंद्र जाकर मत देना चाहता है वह मतदान केंद्र पर जाकर मतदान करें। यह विकल्प खुला हुआ है। एक जागरूक और जिम्मेदार नागरिक का धर्म निभाते हुए मतदान करने चलें। अपने बायें हाथ की तर्जनी पर अमिट स्याही का निशान लगवाकर गर्व महसूस करें।

सहानुभूति की प्रतीक्षा में सेवकराम

कटाक्ष

दिनेश विजयवर्गीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दया और सहानुभूति हमारी आत्मा में प्रकृति का वरदान है। यह मनुष्य के अंतर मन को जरूरत पड़ने पर बर्फ की तरह पिघला देती है। हमारी धार्मिक संस्कृति में इनका महत्वपूर्ण स्थान हैं। दया सहानुभूति तो कभी हमारी आंखों को भी नम कर जाती है। सहानुभूति कभी किसी के लिए वरदान सिद्ध हो जाती है।

राजनीति में भी सहानुभूति का सिक्का जब खनखनाने लगता है, तो न्यारे व्यारे हो जाते हैं । चुनाव के समय कभी परिस्थिति अनुसार प्रत्याशी के प्रति जब सहानुभूति उमड़ पड़ती है तो वोटों के लिए उसके पक्ष में घड़ी-घड़ी ईवीएम की सीटी बजने लगती है। यहां तक कि वह और उसकी पार्टी की जीत की आनंद मंगल यात्रा का शुभारंभ हो जाता है। कभी सरकार बनाने का सुख भी सहज प्राप्त हो जाता है । सचमुच जनता का दिल सहानुभूति से लवरेज रहने से वोटों की राजनीति में फायदे ही फायदे हैं।

सेवकराम जी कोई सामान्य नेता ही नहीं वह एक बड़े राजनीतिज्ञ और सरकार में सम्माजनक पद पर बैठे नेता है। जब चुनाव जीता तो ईमानदारी और देश की सच्ची सेवा और भ्रष्टाचार मुक्त वाला वातावरण की चमक दमक दिखाई।

वह सरकार में मंत्री बन सुखदाई जीवन जीने लगे। अब तो चारों ओर सुख ही सुख। जनताके सामने ईमानदारी का मुखौटा लिए जनता और मीडिया पर अपना रंग जमाते रहे। उनके जीवन की मुरझाई भूमि में हरी-भरी फसलें लहलाने लगी। देखते-देखते रसगुल्ले सी मिठास जुबान पर चढ़ने लगी। लेकिन औरअधिक सत्ता विस्तार और सुख की खोज में सेवक राम जी ईमानदारी का पाठ भूलकर जैसे-जैसे प्राप्त होने वाली लक्ष्मी की कृपा से निहाल होने लगे। ईमानदारी मर्यादा नैतिकता वाली बातें गई गुजरी लगने लगीं। अब उन्हें अपने और पार्टी के लिए पैसों का पेड़ लगाने की कला आने लगी । इस कला से लोगों में अपनी पार्टी का जनाधार बढ़ाने में सुविधा मिलने लगी। देखते ही देखते उनका घर राजा सा आकर्षण बन गया। धीरे-धीरे सत्ता प्रभाव से घोटाले होने लगे। मीडिया में चर्चाएं होने लगीं ।भ्रष्टाचार की जांच हुई घोटाला उजागर होने लगे । सेवकराम जी के कदम गिरफ्तारी की ओर बढ़ गए ।

सेवाराम जी ने सोचा कि वह एक बड़े जन आधारवाले नेता हैं। गिरफ्तारी हुई तो उनके समर्थन में लोग सड़कों पर आजाएंगे। गिरफ्तारी के खिलाफ एक बड़ा आंदोलन करेंगे ।

जनमन के दिल में सहानुभूति की लहर हिचकौले मारने लगेगी। पर नेताजी की सोच पैर नहीं चली । जनता ने देख लिया कि भ्रष्टाचारियों के साथ कैसी सहानुभूति? अपने स्वार्थ के कारण जनता की सहानुभूति का कहीं भी झुनझुना नहीं बजा।

नेताजी चिंतातुर हो अपने किए कर्मों पर सोचने लगे। धरी रह गई उसकी चंट चालाकी । भगवान जाने अब किन मुसीबतों से गुजरना पड़ेगा । पर सेवकराम जी अभी भी जनता की एक बड़ी सहानुभूति की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

डॉ. प्रेमचंद द्वितीय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

लोकतंत्र की बीन बजाते बुद्धिहीन!

मूर्ख दिवस के आने के पूर्व मॉर्निंग वॉक के दौरान पंडित शिवनारायण जी बोले मूर्खों का तो दिवस मनाता है लेकिन बुद्धिजीवियों का कोई दिवस नहीं होता है। इसका मतलब बुद्धिजीवों की ग्रेड मूर्खों से काफी नीचे है। इस कारण,विजडम डे, नहीं मनता है,और असल में पूछो तो मूर्खों के मूर्ख दिवस का पता भी बुद्धिजीवों को ही रहता है। मूर्ख को अपने दिवस का न तो अता-पता रहता है न हीं उनके नाम पर बुद्धिजीवों के मूर्ख बनने का। इसलिए तो दास मलूका कहत मूर्ख जानत है बुद्धिजीवी कैसे उनके आगे बीन बजावत है और उनकी उंगली पर कैसे नाचत है!

मूर्ख दिवस पर पंडित जी की जब जुबान खुली तो कॉलोनी के छूट भैया से बड़े नेता बनने के प्रशिक्षु बन रहे कुणाल भैया बोले मूर्ख बनने और कहलाने के लिए कोई डिग्री, सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं होती है। जबकि बुद्धिजीवी बनने के लिए न जाने कौन-कौन से जतन करना पड़ते हैं, जब बुद्धिजीवी की डिग्री मिल जाती है तो वह अपनों में से ही मूर्ख को ढूंढता है और उनसे दूरी बनाते हैं, बुद्धिजीवी और मूर्खों की इसी डिस्टेंस के कारण मूर्ख का, डे,मनने लग गया और बुद्धिजीवी, डे, मनने से भी महरूम हो गए।

कुणाल भैया द्वारा बुद्धिजीवों की किरकिरी और मूर्खों की तरफदारी पर शिक्षा से जुड़े शिवदयाल जी माडसाब बोले मैं भी अंग्रेजी स्कूल में हिंदी पढ़ाता हूं जब मूर्ख दिवस की बात करता तो स्कूल की गवर्निंग बॉडी से लेकर स्टाफ तक इस दिवस को,फूल, डे के रूप में मानते हैं,और इन फूलो यानी मूर्खों को एक अप्रैल फूल डे से जोड़ते है। और अप्रैल फूल तथा मूर्ख दिवस को एक दूसरे का पूरक मानते हैं। शिवदयाल जी बोले मूर्ख बनाने और कहलाने के लिए ना तो सिलेबस की जरूरत ही है ना ही सिलेक्शन की। जबकि बुद्धिजीवी बनने के लिए अनेको पाठ्यक्रमों से गुजरना पड़ता है। एटीट्यूड, एप्टिट्यूड, इंटरव्यू, एग्जाम और सिलेक्शन से गुजरते है तब कहीं बुद्धिमान कहलाने का सर्टिफिकेट मिलता है। वह बोले मूर्ख बनने और बुद्धिमान कहलाने के लिए जिस पैमाने और बैरोमीटर की जरूरत है उसमें बॉडी लैंग्वेज यानी हाव-भाव का भी एक रोल है। पढ़ा लिखा व्यक्ति की बॉडी लैंग्वेज भी मूर्ख दिख सकती है और मूर्ख का हाव भाव भी बुद्धिमान कहला सकता है। मूर्ख जो हमेशा बातूनी कहलाता है लेकिन कभी-कभी बातों में ऐसी बात कह देता है जो बुद्धिमान भी नहीं कह सकता और उसकी बात नजीर बन जाती है।

इस बीच अपने आप को कथित बुद्धिजीवी की पहचान से जानने वाले रसिकलाल बोल पड़े मूर्ख और बुद्धिमान में भेद करना टेढ़ी खीर है,मूर्ख हंसते हैं और बुद्धिजीवी मुस्कुराते हैं वह भी कुटिल मुस्कान के साथ! हंसने की कला केवल मनुष्यों को ज्यादा मिली है,लेकिन जो हंसते है वे मूर्ख कहलाते हैं।

शीतला अष्टमी पर विशेष

रमेश सर्राफ धमोरा

लेखक पत्रकार हैं।

स्वच्छता का संदेश देती शीतला माता

हमारे देश में विविध पर्व-त्योहारों को मनाने के पीछे वैज्ञानिक सोच व तत्व-दर्शन निहित है। होली के एक सप्ताह बाद मनाये जाने वाले शीतलाष्टमी त्योहार पर शीतला माता का पूजन कर व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि माता के पूजन से चेचक, खसरा जैसे संक्रामक रोगों का मुक्ति मिलती है। चूंकि ऋतु-परिवर्तन के दौरान इस समय संक्रामक रोगों के प्रकोप की काफी आशंका रहती है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए श्रद्धालु शीतलाष्टमी के दिन माता का विधिपूर्वक पूजन करते हैं जिससे शरीर स्वस्थ बना रहे।

शीतला माता स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं और इसी संदर्भ में शीतला माता की पूजा से हमें स्वच्छता की प्रेरणा मिलती है। इनका सैदव से ही बहुत अधिक माहात्म्य रहा है। शीतला-मंदिरों में प्रायः माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। शीतला माता के संग ज्वरासुर- ज्वर का दैत्य, ओलै चंडी बीबी - हैजे की देवी, चौंसठ रोग, घेंटुकर्ण- त्वचा-रोग के देवता एवं रक्तवती - रक्त संक्रमण की देवी होते हैं। इनके कलश में दाल के दानों के रूप में विषाणु या शीतल स्वास्थ्यवर्धक एवं रोगाणु नाशक जल होता है।

शीतला माता देवी है जो गधे पर सवार होती है और नीम के पत्तों की माला का श्रृंगार करती हैं। इस दिन घर में बासी पुआ, पूड़ी, दाल भात और मिठाई का भोग लगाया जाता हैं। शीतला माता को भोग लगाने के बाद घर के सदस्य खुद इसका सेवन करते हैं। सामान्य तौर पर शीतला माता का पूजन चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाना यानी बसौड़ा तैयार किया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में इसे वितरित करते हैं। उत्तर भारत में शीतलाष्टमी का त्योहार बसौड़ा नाम से भी प्रचलित है। मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना नहीं खाना चाहिए। यह ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं।

इस व्रत में रसोई की दीवार पर हाथ की पांच अंगुली घी से लगाई जाती है। इस पर रोली और चावल लगाकर देवी माता के गीत गाये जाते हैं। इसके साथ, शीतला स्तोत्र तथा कहानी सुनी जाती है। रात में जोत जलाई जाती है। एक थाली में बासी भोजन रखकर परिवार के सारे सदस्यों का हाथ लगवाकर शीतला माता के मंदिर में चढ़ाते हैं। इनकी उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है।

शीतला माता की महत्ता के विषय में स्कंद पुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें उल्लेख है कि शीतला देवी का वाहन गर्दभ है। ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाडू) और नीम के पत्ते धारण किये हैं। इनका प्रतीकात्मक महत्व है। आशय यह है कि चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम की पत्तियां फोड़ों को सड़ने नहीं देतीं। रोगी को ठंडा जल अच्छा लगता है, अतः कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं।

स्कंद पुराण में शीतला माता की अर्चना का स्तोत्र है शीतलाष्टक। माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने की थी। यह स्तोत्र शीतला देवी की महिमा का गान कर उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित करता है।

वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बरराम्,
मार्जनीकलशोपेतां शूर्पालंकृतमस्तकाम्।

अर्थात् गर्दभ पर विराजमान दिगम्बरा, हाथ में झाडू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाडू) होने का अर्थ है कि हम लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। माता के रोगी के लिए यह व्रत बहुत मददगार है।

आमतौर पर, शीतला रोग के आक्रमण के समय रोगी दाह (जलन) से निरंतर पीड़ित रहता है। उसे शीतलता की बहुत जरूरत होती है। गर्दभ पिंडी (गधे की लीद) की गंध से फोड़ों का दर्द कम हो जाता है। नीम के पत्तों से फोड़े सड़ते नहीं है और जलघट भी उसके पास रखना अनिवार्य है। इससे शीतलता मिलती है।

लोक किंवदंतियों के अनुसार बसौड़ा की पूजा माता शीतला को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। कहते हैं कि एक बार किसी गांव में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे तो मां को गांववासियों ने गरिष्ठ भोजन प्रसादस्वरूप चढ़ा दिया। शीतलता की प्रतिमूर्ति मां भवानी का गर्म भोजन से मुंह जल गया तो वे नाराज हो गईं और उन्होंने कोपदृष्टि से संपूर्ण गांव में आग लगा दी। बस केवल एक बुढिया का घर सुरक्षित बचा हुआ था। गांव वालों ने जाकर उस बुढिया से घर न जलने के बारे में पूछा तो बुढिया ने मां शीतला को गरिष्ठ भोजन खिलाने वाली बात कही और कहा कि उन्होंने रात को ही भोजन बनाकर मां को भोग में ठंडा-बासी भोजन खिलाया। जिससे मां ने प्रसन्न होकर बुढिया का घर जलने से बचा लिया। बुढ़िया की बात सुनकर गांव वालों ने शीतलामाता से क्षमा मांगी और रंगपंचमी के बाद आने वाली सप्तमी के दिन उन्हें बासी भोजन खिलाकर मां का बसौड़ा पूजन किया।

संसार में दो प्रकार के प्राणी होते है। पहला सौर शक्ति प्रधान और दूसरा चान्द्र शक्ति प्रधान। सौर शक्ति के बारे में कहा जाता है कि सौर शक्ति जीव बहुत चंचल, चुलबुले, तत्काल बिगड़ उठने वाले और असहनशील होते हैं जबकि चान्द्र शक्ति प्रधान व्यक्ति इसके विपरीत होते है। चान्द्र शक्ति प्रधान जीवों में प्रमुख गधा ही माता शीतला का वाहन हो सकता है। यहां गधा संकेत देता है कि चामुण्डा के आक्रमण के समय रोग का अधिक प्रहार सहन करते हुए रोगी को कभी अधीर नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शीतला रोग में गर्दभी का दूध, गधा लोटने के स्थान की मिट्टी और गधों के संपर्क का वातावरण उपयुक्त समझा जाता है। कहते हैं कि कुम्हार को चामुण्डा का भय नहीं होता है। वहीं ऊंट वाले को कभी पेट का रोग नहीं होता। चामुण्डा शववाहना के अनुसार चामुण्डा का वाहन शव होता है। इसका तात्पर्य यह है कि चामुण्डा से आक्रान्त रोगी को शव की भांति निश्चेष्ट होकर उचित समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

मूर्ख दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार हैं)

मूर्ख दिवस का है दिलचस्प इतिहास

मूर्ख दिवस' मनाने की परम्परा कब, कैसे और कहां प्रचलित हुई, इस बारे में दावे के साथ तो कुछ नहीं कहा जा सकता पर माना यही जाता है कि इस परम्परा की शुरूआत फ्रांस में 16वीं सदी के उत्तरार्द्ध में हुई थी। माना जाता है कि एक अप्रैल 1564 को फ्रांस के राजा ने मनोरंजक बातों के जरिये एक-दूसरे के बीच मैत्री और प्रेम भाव की स्थापना के लिए एक सभा का आयोजन कराया था। उसके बाद निर्णय लिया गया कि अब से हर वर्ष इसी दिन ऐसी ही सभा का आयोजन होगा, जिसमें सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकतें करने वाले व्यक्ति को 'मास्टर ऑफ फूल' की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इस सभा में शिरकत करने वाले व्यक्ति अनोखी और विचित्र वेशभूषाएं धारण करके अपनी अजीबोगरीब हरकतों से उपस्थित जनसमूह का मनोरंजन किया करते थे और सर्वाधिक मूर्खतापूर्ण हरकत करने वाले व्यक्ति को 'मूर्खों का अध्यक्ष' चुना जाता था, जिसे 'बिशप ऑफ फूल्स' की उपाधि से नवाजा जाता था। इस सभा के बाद 'गधा सम्मेलन' का भी आयोजन होता था, जो करीब एक सप्ताह चलता था। सम्मेलन में लोग अपने चेहरे पर गधे के मुंह की आकृति के मुखौटे लगाकर गधे की आवाज निकालते थे। इस दिन वहां कर्मचारी, अधिकारी सभी एक-दूसरे का मजाक उड़ाने को स्वतंत्र होते थे।

यह भी मान्यता है कि 1564 में फ्रांस के सम्राट चार्ल्स के आदेश पर लागू हुए ग्रेगेरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 1 जनवरी से की जाने लगी जबकि उससे पूर्व चूंकि वर्ष में सिर्फ 9 ही महीने होते थे, अतः नया साल 1 अप्रैल से ही शुरू होता था लेकिन ग्रेगेरियन कैलेंडर लागू किए जाने के बाद भी जो लोग 1 अप्रैल को ही नव वर्ष के रूप में मनाते रहे, दूसरे लोगों ने उनका मजाक उड़ाना शुरू कर दिया और इस तरह 1 अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' के रूप में मनाए जाने की परम्परा शुरू हो गई। कुछ पश्चिमी राष्ट्रों में वे लोग, जो जूलियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरूआत 25 मार्च से मानते हैं, वे वसंत के आगमन के साथ ही नए साल के आने की खुशियां मनाते हैं और एक सप्ताह तक चले इन मनोरंजक कार्यक्रमों का समापन वे 1 अप्रैल को ही करते हैं। 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ रिलीजन' तथा 'एनसाइक्लोपीडिया ऑफ ब्रिटानिका' के अनुसार भी एक अप्रैल को 'मूर्ख दिवस' मनाने का सीधा संबंध वसंत के आगमन से ही है, जब प्रकृति मनुष्य को अपने अनियमित मौसम से मूर्ख बनाती है।

कुछ लोग अप्रैल फूल मनाने की परम्परा की शुरूआत इटली से हुई मानते हैं। प्राचीन समय से ही इटली में एक अप्रैल को एक मनोरंजन उत्सव मनाया जाता है, जिसमें स्त्री-पुरूष सभी जमकर शराब पीते हैं और नाच-गाकर खूब हुड़दंग मचाते हैं। रात के समय दावतों का आयोजन भी किया जाता है। यूरोप के कुछ देशों में भी प्राचीन काल से ही 'मूर्ख दिवस' मनाए जाने का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि इस दिन वहां मालिक नौकर की और नौकर मालिक की भूमिका अदा करता था और नौकर इस दिन मालिक से अपने मनचाहे काम कराते थे, जिन्हें मालिक भी बिना किसी विरोध के खुशी-खुशी किया करते थे।

यूनान में 'मूर्ख दिवस' की शुरूआत कैसे हुई, इस संबंध में कई किस्से प्रचलित हैं। ऐसे ही एक किस्से में कहा जाता है कि यूनान में एक व्यक्ति को खुद की बुद्धि और चतुराई पर बहुत घमंड था। वह बुद्धिमानी और चतुराई के मामले में अपने बराबर दुनिया में किसी को कुछ नहीं समझता था। एक बार उसके कुछ दोस्तों ने उसे सबक सिखाने का निश्चय किया और उससे कहा कि मध्य रात्रि के समय पहाड़ की चोटी पर आज देवता अवतरित होंगे और वहां जितने भी लोग उपस्थित होंगे, उन्हें वह मनचाहा वरदान देंगे। अपने दोस्तों की बात पर विश्वास करके वह अगले दिन सुबह होने तक पहाड़ की चोटी पर देवता के प्रकट होने का इंतजार करता रहा और जब निराश होकर वापस लौटा तो दोस्तों ने उसका खूब मजाक उड़ाया। जिस दिन यह घटना हुई, उस दिन पहली अप्रैल थी। माना जाता है कि तभी से यूनान में एक अप्रैल को लोगों को मूर्ख बनाने की परम्परा शुरू हुई।

स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल को 'अप्रैल गोक' कहा जाता है, जिसका अर्थ है पपीहा और पपीहा को यहां बुद्धूपन का प्रतीक माना गया है। इस अवसर पर लोग यहां कई प्रकार की मनोरंजक व आश्चर्यजनक अफवाहें उड़ाते हैं, जिन पर लोगों को आसानी से विश्वास भी हो जाता है। आज तो दुनिया के बड़े-बड़े टी. वी. चैनल और प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाएं भी अपने दर्शकों व पाठकों के साथ 1 अप्रैल को ऐसी हंसी-ठिठौली करने में पीछे नहीं रहते।

आईपीएल टूर्नामेंट्स से बेंच स्ट्रेंथ मजबूत हुई है

क्रिकेट

विजय रांगणेकर

भारत में लीग टूर्नामेंट्स की शुरुआत का विचार सबसे पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के प्रशासकों के दिमाग में आया और जब इसकी शुरुआत की गयी तो इस न सिर्फ आर्थिक और प्रचार के मामले में इसे जबरदस्त कामयाबी मिली बल्कि नए खिलाडियों की प्रतिभा को तलाशने, तराशने और निखारने के लिहाज से भी यह मील का पत्थर साबित हुई। उभरते खिलाडियों को देश के शीर्षस्थ खिलाड़ियों के लिए भी विश्व के चोटी के खिलाडियों के साथ ही अपनी टीम में और उनके विरुद्ध भी खेलने का मौका मिला है। जो अन्यथा मुश्किल से ही मिल पाता।

साल 2008। ये वो साल है जब भारतीय क्रिकेट में एक नई क्रांति आई थी। उस क्रांति का नाम है आईपीएल। सब यही सोच रहे थे कि क्या ये लीग इतनी बड़ी सुपरहिट साबित हो पाएगी जो बीसीसीआई उम्मीद कर रहा है? क्या ये लीग भारतीय क्रिकेट को आगे ले जा पाएगी, जिसके लिए इसे लाया जा रहा है। लेकिन पहले ही सीजन के बाद सभी सवालों के जवाब मिल गए। जवाब मिल गए कि भारत ने एक ऐसा कदम उठा लिया है जिसके पीछे पूरी दुनिया भागेगी। पहले ही सीजन आईपीएल ने दिखा दिया कि कहने को ये एक लीग है लेकिन आने वाले समय में ये किसी देश के क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से भी बड़ी बन जाएगी और हुआ भी वही।

आईपीएल की आधिकारिक वेबसाईट पर सबसे अधिक रन बनाने वाले दस बल्लेबाजों में से सिर्फ दो ही विदेशी हैं और अन्य आठ भारतीय हैं। इनमें से विराट और धोनी के नाम हटा दें, जो कि पहले से ही भारत के शीर्ष खिलाडी हैं, तो ये छः नाम सामने आते है:। रिषभ पन्त, अम्बाति रायडू, श्रेयस ऐय्यर, सुर्यकुमार यादव, लोकेश राहुल, संजू सैमसन। यह साफ़ है कि इस प्रतिस्पर्धा में भाग लेने से इन सभी खिलाडियों के खेल को लाभ मिला हैं। दूसरी तरफ, सबसे अधिक विकेट लेने वाले दस शीर्ष गेंदबाजों में से पांच भारतीय हैं। आईपीएल ने भारतीय क्रिकेट को किस तरीके से फायदा पहुंचाया है। आज टीम के पास एक से एक शानदार ऑलराउंडर हैं, तेज गेंदबाज हैं, स्पिनर हैं, वो कहीं ना कहीं आईपीएल की देन है। आज हम कप्तान हार्दिक पांड्या को भारतीय टीम का सबसे धाकड़ ऑलराउंडर बता रहे हैं, आज हम रविंद्र जडेजा को टीम इंडिया का वह गेंदबाज बता रहे हैं जो किसी भी ओवर में बल्ले और गेंद से मैच पलट सकता है, आज हम बूम-बूम बूमराह को 1-1 मैच में याद करते हैं, ये सभी खिलाड़ी आईपीएल की ही तो देन हैं। अगर ये ना होते तो भारतीय क्रिकेट टीम आज श्रीलंका, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज जैसा बन के रह सकता था।

आईपीएल से प्रतिभा को निश्चित रूप से अवसर मिला है क्योंकि आईपीएल ने खिलाड़ियों को गुमनामी से उभरकर सुर्खियां बटोरते हुए देखा है। अलग-थलग क्रिकेट मैदानों से खचाखच भरे स्टेडियमों से लेकर भारतीय क्रिकेट टीम तक का सफर कई प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के लिए किसी परीकथा से कम नहीं है और हर सीज़न के साथ यह सूची लंबी होती जा रही है।

एक वक्त था, जब टीम इंडिया में खेलने के लिए खिलाड़ियों को रणजी ट्रॉफी या फिर घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होता था। खिलाड़ी लगातार डोमेस्टिक क्रिकेट खेलकर रन बनाते थे या फिर विकेट लेते थे, उसके बाद खिलाड़ी पर भारतीय सेलेक्टर्स की नजर पड़ती थी और टीम इंडिया में उन्हें शामिल किया जाता था। आईपीएल 2008 से शुरू हुआ, इसके बाद से टीम इंडिया में एंट्री पाने का रास्ता आईपीएल ही हो गया है। पिछले पांच से छह साल की बात करें तो टी20 और वन डे की टीम इंडिया की बात करें तो आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को ही जगह मिलती है। पिछले कुछ साल में तो भारत में इतने अच्छे खिलाड़ी तैयार हो गए हैं कि भारत की दो टीमें भी तैयार हो सकती हैं। हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़ का प्रदर्शन इस बात को रेखांकित करता है।

भारत के लिए अंडर 19 में भारत विश्व कप जीतने वाली टीम का सदस्य रहे अभिषेक शर्मा इसका एक अच्छा उदाहरण है। 2018 में देहली डेअर डेविल्स की टीम से खेलते हुये अभिषेक ने शुरुआत कर गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। आई पी एल के वर्तमान संस्करण में भी उन्होने मुंबई इंडियंस जैसे सशक्त टीम के विरुद्ध बेखौफ तूफानी पारी खेलते हुये मात्र 16 गेंदों में अर्धशतक जमाते हुये अपनी जन्मजात प्रतिभा के संकेत डे दिये हैं और भविष्य में राष्ट्रीय टीम में अपनी दावेदारी की दस्तक भी दी है। अपनी घरेलु स्पर्धाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ही सही खेल नीति, खेल संस्कृति और खेल दर्शन है। निश्चित रूप से इन घरेलु लीग स्पर्धाओं से खिलाडियों के खेल में गुणात्मक सुधर हो रहा है। साथ ही इन खेलों के किशोर उभरते खिलाड़ियों को बेहतरीन अनुभव भी मिल रहा है।

स्मृति शेष...

प्रो.संजय द्विवेदी

(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नयी दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं)

इसलिए जरूरी है संकठा जी जैसे स्कूल शिक्षक की याद !

संकठा सिंह : आदर्श शिक्षक, संवेदना से भरे मनुष्य

भरोसा नहीं होता कि मेरे पूज्य गुरुदेव संकठा प्रसाद सिंह अब इस दुनिया में नहीं रहे। बस्ती (उप्र) के सरस्वती शिशु मंदिर, रामबाग के प्रधानाचार्य रहे संकठा जी में ऐसा क्या था, जो उन्हें खास बनाता है? क्या कारण है कि वे अपने विद्यार्थियों के लिए हमेशा प्रेरणा देने वाली शख्सियत बने रहे। बहुत बालपन में उनके संपर्क में आनेवाला शिशु अपनी प्रौढ़ावस्था तक उनकी यादों और शिक्षाओं को भूल नहीं पाता।

शिशु मंदिर व्यवस्था के इस पक्ष का अध्ययन किया जाना चाहिए कि पारिवारिक और आत्मीय संवाद बनाकर यहां के आचार्य गण जो आत्मविश्वास नयी पीढ़ी को देते हैं,वह अन्यत्र दुर्लभ क्यों है? निम्न और मध्यम वर्गीय परिवारों से आए विद्यार्थियों में जो भरोसा और आत्मविश्वास संकठा जी जैसे अध्यापकों ने भरा, वह मोटी तनख्वाहें पाने वाले पांच सितारा स्कूलों के अध्यापक क्यों नहीं भर पा रहे हैं? हमने अपने सामान्य से दिखने वाले आचार्यों से जो पाया, उससे हम दुनिया में कहीं भी जाकर अपनी भूमिका शान से निभाते हैं, वहीं दूसरी ओर विद्यार्थी डिप्रेशन, अवसाद से घिरकर आत्महत्याएं भी कर रहे हैं। हमारी उंगलियां पकड़कर जमाने के सामने ला खड़े करने वाले संकठा जी जैसे अध्यापकों की समाज को बहुत जरुरत है।

गुरुवार 28 मार्च,2024 को अपने गृहग्राम वनभिषमपुर, पोस्ट-मुसाखाडं, चकिया,जिला -चंदौली (उप्र) में अपनी अंतिम सांसें लीं, तो उनकी बहुत सी स्मृतियां ताजा हो आईं। उनके मानवीय गुण, कर्मठता, अध्यापन और प्रबंधन शैली सब कुछ। कच्ची मिट्टी से शिशुओं में प्रखर राष्ट्रीय भाव, नेतृत्व क्षमता, सामाजिक संवेदनशीलता भरते हुए उन्हें योग्य नागरिक बनाना उनका मिशन था। वे ताजिंदगी इस काम में लगे रहे। बाद में शिशु मंदिर योजना के संभाग निरीक्षक गोरखपुर,काशी,प्रयाग संभाग का दायित्व भी उन्होंने देखा। सतत् प्रवास करते हुए मैंने उनके मन में कभी कड़वाहट और नकारात्मक भाव नहीं देखे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह छात्र जीवन में उनके सहपाठी रहे। वे दिल्ली जब भी आते माननीय रक्षा मंत्री जी से लेकर हम जैसे तमाम विद्यार्थियों से खोजकर मिलते। कोई चाह नहीं, बस हालचाल जानना और अपनी शुभकामनाएं देना। ऐसे अध्यापक का आपकी जिंदगी में होना भाग्य है। भोपाल में अपने पूज्य दादाजी की स्मृति में होने वाले पं.बृजलाल द्विवेदी स्मृति साहित्यिक पत्रकारिता सम्मान समारोह में मैंने उन्हें अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया। मेरे तत्कालीन कुलपति प्रोफेसर बृजकिशोर कुठियाला इस बात से बहुत खुश हुए कि मेरा अपने स्कूल जीवन के अध्यापक से अभी तक रिश्ता बना हुआ है। मैंने सर को बताया कि इसमें संकठा जी का नियमित संपर्क और स्नेहिल व्यवहार बहुत बड़ा कारण है। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के मेरे विद्यार्थियों को भी यह बात बहुत अच्छी लगी। अध्यापक और छात्र के इस जीवंत रिश्ते की ऐसी तमाम कथाएं संकठा जी के लिए सामान्य थीं। छात्र जीवन में हम कुछ दोस्त 'चाचा नेहरू अखिल भारतीय बाल मित्र सभा' नाम से एक संगठन चलाते थे। तब हम शिशु मंदिर से पढ़कर निकल चुके थे। चाचा नेहरू का नाम जुड़ा होने के कारण हमें लगता था, आचार्य जी इससे नहीं जुड़ेंगे, किंतु जब हम पूर्व विद्यार्थियों ने उन्हें इस संगठन का अध्यक्ष बनाया तो सहर्ष तैयार हो गए। उस समय बस्ती से इसी संगठन से एक बाल पत्रिका 'बालसुमन' नाम से हमने निकाली। इसके कुछ अंक हमने बस्ती से छापे। बाद थोड़ी अच्छी छपाई हो इसलिए संकठा जी ने इसके कुछ अंक वाराणसी से छपवाए। शिशु मंदिर से निकलकर मेरा प्रवेश मुस्लिम समुदाय द्वारा संचालित कालेज 'खैर कालेज, बस्ती' में हो गया। वहां के मेरे सहपाठियों शाहीन परवेज, एहतेशाम अहमद खान आदि से भी संकठा जी काफी दोस्ती हो गयी। कारण था चाचा नेहरु अखिल भारतीय बाल मित्र सभा। इसकी गतिविधियां भी बढ़ीं। संकठा जी बस्ती से स्थानांतरित होकर गाजीपुर गये, तो हम वहां शाहीन परवेज के गांव में भोजन के लिए गए। रिश्ते को अटूट बना लेना और लोकसंग्रह उनकी वृत्ति थीं। यहीं गाजीपुर में उन्होंने मेरी मुलाकात श्री अजीत कुमार से करवाई, जो बाद वाराणसी में छात्र आंदोलन में में मेरे वरिष्ठ साथी रहे। आज वे नेशनल बुक ट्रस्ट के बोर्ड के सदस्य और सक्रिय राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। मैं याद करता हूं तो ढेर सी यादें घेरती हैं। मेरी शादी में वे सपरिवार आए। मां की मृत्यु पर, भाई की मृत्यु पर । हर सुख -दुख की घड़ी में उनका हाथ मेरे कंधे पर रहा। दिल्ली में आखिरी मुलाकात हुई ,तब मैं भारतीय जन संचार संस्थान में कार्यरत था। वे आए दो दिन साथ रहे। शरीर कमजोर था, पर आंखों की चमक और अपनी सींची पौध पर उनका भरोसा कायम था। ऐसे शिक्षक दुर्लभ ही हैं, जो आपको आपके सपनों, दोस्तों, परिवार के साथ स्वीकार करता हो। आप अपनी जिंदगी में व्यस्त और मस्त हैं और उन्हें फोन भी करने का वक्त नहीं निकाल पाते। किंतु संकठा जी फोन आता रहेगा, आपको आपकी जड़ों से जोड़ता रहेगा। उनका हर फोन यह अपराधबोध देकर जाता था कि क्या हमें अभी और मनुष्य बनना शेष है? इतनी उदारता, संवेदनशीलता और बड़प्पन लेकर वे आए थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला ने संकठा जी जैसे तमाम अनाम योद्धाओं के माध्यम से यह दुनिया रची है। मैं शब्दों में नहीं कह सकता कि मैंने क्या खोया, पर अपने विद्यार्थियों के लिए उनका पचास प्रतिशत भी कर पाऊं तो स्वयं को उनका शिष्य कह पाऊंगा? संकठा जी की कहानी विद्या भारती के महान अभियान की सिर्फ एक कहानी है। हमारे आसपास ऐसे अनेक हीरो हैं। जो अनाम रहकर पीढ़ियां गढ़ रहे हैं। उन सबका मंत्र है 'एक समर्थ, आत्मविश्वास से भरा भारत!' संकठा जी एक व्यक्ति नहीं हैं, प्रवृत्ति हैं। जो समय के साथ दुर्लभ होती जा रही। जिनके लिए 'शुद्ध सात्विक प्रेम अपने कार्य का आधार है।' भावभीनी श्रद्धांजलि!!

चेक पोस्ट पर संधारित करें थाना प्रभारी के मोबाइल नंबर एवं थानों की सूची : कलेक्टर

खम्बारा चेक पोस्ट के निरीक्षण पर कलेक्टर एवं एसपी ने दिए निर्देश

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र मतदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने निर्देश दिए कि चेक पोस्ट पर आसपास के थाने, थाना प्रभारी के नाम मोबाइल नंबर एवं टेलीफोन नंबर की सूची संधारित करें। कलेक्टर एवं एसपी निश्चल झरिया प्रभात पट्टन स्थित खम्बारा चेक पोस्ट का निरीक्षण कर रहे थे। रविवार के दिन कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने आमला एवं मुलताई स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जन-प्रतिनिधियों के साथ किया अवलोकन- लोकसभा निर्वाचन के अंतर्गत विधानसभा मतदान केन्द्र आमला स्थित एसएसपी प्वाइंट हसलपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दल के प्रतिनिधि भाजपा से नरेंद्र गडेकर एवं प्रदीप ठाकुर, इंडियन नेशनल कांग्रेस से मनोज देशमुख, आम आदमी पार्टी से कमलेश अतुलकर एवं बसपा से भीकराम बिहारी उपस्थित थे। दल द्वारा एवं स्ट्रांग रूम में सुरक्षा व्यवस्था को देखा। शासकीय भीमराव अंबेडकर भवन स्थित मतदान केन्द्र में निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। तहसीलदार सुश्री पूनम साहू ने मतदान केन्द्र में दिव्यांग एवं 85 प्लस मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, पेयजल एवं सुरक्षा व्यवस्था की बिंदुवार जानकारी दी।

अधिकारी गण, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। मतदान केंद्र पर की गई व्यवस्थाओं के प्रति जनप्रतिनिधियों ने संतोष व्यक्त किया। इसके अलावा मतदान केंद्र पर प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्थाओं को भी देखा। जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान हसलपुर में शासकीय शाला भवन स्थित मतदान केंद्र क्रमांक 133 एवं पंचायत भवन स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 134 का निरीक्षण किया गया। मतदान केंद्र में आने और जाने के लिए दो दरवाजों की व्यवस्थाओं के निर्देश जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दिए गए। सुश्री साहू द्वारा त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया।

मुलताई में मतदान केन्द्र क्रमांक 116 एवं 120 पर पहुंचे एसपी- पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया ने मुलताई स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 116 एवं 120 पर पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों से कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार संयम एवं सजगता बनाए रखें। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर नए सिरे से जांचा।

राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के साथ निरीक्षण पर श्री सूर्यवंशी ने कहा कि निर्वाचन का मुख्य आधार निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवस्था है। राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों की संतुष्टि और सहमति, पारदर्शी व्यवस्था में बड़ा महत्व रखती है। जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद ने मतदान सामग्री वितरण केन्द्र का निरीक्षण किया। जनप्रतिनिधियों ने की गई व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। तहसीलदार सुश्री अनामिका ने मतदान केन्द्रों पर की गई व्यवस्थाओं का स्टेप टू स्टेप अवलोकन कराया।

सामूहिक दुष्कर्म के 3 आरोपियों को 24 घंटे के अन्दर पुलिस ने धर दबोचा

बैतूल। ग्राम बीरपुरा निवासी एक महिला ने गत 29 मार्च 2024 को थाना में आकर बताया कि उनके साथ बुरा काम हुआ है जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। थाना प्रभारी मोहदा नेपाल सिंह ठाकुर ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित कर अनुभाग से महिला पुलिस अधिकारी को बुलवाया ताकि पीड़िता के विस्तृत कथन लेकर प्रथम सूचना रिपोर्ट ली जा सके। थाना भैंसदेही से प्रीति पाटिल ने आकर तत्काल पीड़िता के कथन लेख कर घटना की पूरी जानकारी ली, जिस पर थाना मोहदा में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। घटना की संपूर्ण जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल विशेष टीम गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रवाना किया। पुलिस टीम द्वारा भरसक प्रयास कर 24 घंटे के भीतर प्रकरण के तीनों आरोपियों 1 गुलाब सेलुकर, 2 दिलीप बारस्कर, 3 रामसिंग बारस्कर तीनों निवासी बोरकुंड को विभिन्न स्थानों से तलाश कर अभिरक्षा में लेकर अलग अलग पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान घटना कारित करना स्वीकार किया। तीनों आरोपियों निवासी बोरकुंड को दिनांक 30 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया गया एवं घटना में प्रयुक्त मोटर साइकिल जप्त किया गया। आरोपियों के परिजनों को गिरफ्तारी की सूचना देकर रविवार दिनांक 31 मार्च 2024 को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पूरी कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहदा नेपाल सिंह ठाकुर, प्रीति पाटिल थाना भैसदेही, मुजफ्फर हुसैन, अरुण लोही, सचिन माहोरे, रोहित टेकाम, गायत्री पंद्रे, प्रवेश राजवंशी, शंभू चौरे, देवलाल धुर्वे, रोशन पवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विद्यार्थियों ने सीखा हर्बल-गुलाल बनाना

बैतूल। जेएच कॉलेज के ईको क्लब द्वारा पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम अन्तर्गत एक दिवसीय कार्यशाला में विद्यार्थियों ने हर्बल गुलाल बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त दिया। कार्यशाला में प्रशिक्षक जितेन्द्र विश्वकर्मा द्वारा सब्जियों, धनिया, पालक, चुकन्दर एवं टेसू के फूलों द्वारा अरारोट पाउडर का आधार बनाकर, हरे, पीले व नारंगी रंग के गुलाल तैयार करने का प्रशिक्षण विद्यार्थियों को दिया। इस मौके पर ईको क्लब प्रभारी डॉ.अल्का पांडे ने बताया कि रासायनिक रंगो का पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य दोनो पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है इन रंगो में विषाक्त पदार्थ होते हैं जो त्वचा की एलर्जी, आंखो में जलन व श्वसन सम्बन्धी समस्यायें पैदा करते हैं। उन्होने बताया कि इन रंगों को पानी से धोने पर यह जल स्त्रोतों के साथ-साथ मिट्टी सहित पर्यावरण प्रदुषित होते हैं। प्रो.सोनारे ने कहा कि यह हर्बल-उत्तर बायोडिग्रेडेबल होते हैं अर्थात् अपघाटित होकर मिट्टी को नुकसान पहुंचायें बिना उसमें मिल जाते हैं। डॉ.अर्चना मिश्रा ने कहा नई शिक्षा नीति के तहत हम इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों के लिए बहुत उपयोगी व पाठ्यक्रम का हिस्सा हैं। प्रो.सुनीता गढ़ेकर ने कहा विभिन प्रकार हर्बल गुलाल, घर में बनाकर विद्यार्थी आय अर्जन कर सकते हैं। प्रो. महेन्द्र नावेगे ने कार्यशाला का संचालन और प्रो.दिपिका साहू ने आभार व्यक्त किया।

मेरे कान्हा जो आये पलट के आज होली मैं खेलूंगी डट के- जमकर झूमे हुरियारे

मथुरा की तर्ज पर बाल गोपाल के साथ खेली होली

बैतूल। मथुरा की होली विश्व प्रसिद्ध है जिसमें मंदिरों में बाल गोपाल के साथ पंचमी तक होली खेली जाती है। इसी तर्ज पर बैतूल में पहली बार क्षत्रीय लोन्हारी कुन्बी समाज के द्वारा शिव मंदिर विनोबा वार्ड में भगवान के साथ फूलों की होली खेली गई। समाज के जिला समन्वयक बीआर खंडागरे ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान महिलाएं और बच्चों ने होली आई उड़े रे गुलाल, आज हम खेलेंगे वृंदावन में होली, हरी सिर धरे मुकुट खेले होरी होली, कारे से लाल बनाए गयी रे, श्याम पिया मोरी रंग दे चुनरिया, मेरे कान्हा जो आये पलट के आज होली मैं खेलूंगी डट के सहित अनेक भजनों पर जम कर झूमें साथ ही कान्हा और एक-दूसरे पर फूलों की वर्षा की। कार्यक्रम में भजन और प्रसादी का वितरण भी किया गया। जिसमें सैकड़ों महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए।

श्रीराम जन्मोत्सव पर निकलेगी भव्य शोभायात्रा, राष्ट्रीय हिंदू सेना ने रामभक्तों को किया आमंत्रित

व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर रामभक्तों को दिया आमंत्रण पत्र

बैतूल। राष्ट्रीय हिंदू सेना ने धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देते हुए बैतूल में आयोजित होने वाली श्रीराम जन्मोत्सव की शोभायात्रा में शामिल होने के लिए रामभक्तों को आमंत्रित किया है। श्री राम जन्मोत्सव को भव्य बनाने के लिए राष्ट्रीय हिंदू सेना संगठन द्वारा आमंत्रण पत्र जारी किया गया है, संगठन ने श्री राम जन्मोत्सव के माध्यम से अपने आध्यात्मिक और सामाजिक जीवन को समृद्ध करने का अवसर प्रदान किया है। यह शोभायात्रा प्रभु श्री राम की महिमा को याद करते हुए भारतीय संस्कृति को विस्तार से प्रकट करेगी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय हिन्दू सेना संगठन ने आगामी 17 अप्रैल को श्रीराम जन्मोत्सव के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया है। इस यात्रा में सम्मिलित होने के लिए, संगठन के पदाधिकारियों ने रविवार को शहर में व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर पहुंच कर राम भक्तों को आमंत्रण पत्र दिया। राष्ट्रीय हिंदू सेना के दीपक मालवीय ने कहा कि यह यात्रा राम भक्तों को एक साथ लाने का एक सुनहरा अवसर होगा, जिससे समूचा समुदाय एकजुट होकर भव्यता और उत्साह का अनुभव करेगा। इसके अलावा, इस शोभा यात्रा में शामिल होने से लोग राम भक्ति का अनुभव करेंगे और अपने धार्मिक आदर्शों के प्रति अपना समर्थन प्रकट करेंगे। यह यात्रा राम भक्तों के लिए एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगी और उन्हें अपने धार्मिक आदर्शों के प्रति अपना समर्थन प्रकट करने का अवसर देगी।

महाआरती के साथ लल्ली चौक पर होगा यात्रा का समापन- जिला अध्यक्ष अनुज राठौर ने बताया कि राष्ट्रीय हिन्दू सेना व्दारा निरंतर 8 वर्षो से रामचंद्र जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर सदर गेंदा चौक से अद्भुत भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी यात्रा निकाली जा रही हैं। संगठन की तैयारिया जोर शोर से चल रही है। यात्रा गेंदा चौक से प्रारंभ होगी, लल्ली चौक पर महा आरती के साथ शोभायात्रा का समापन होगा। शोभा यात्रा में दर्जनों झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेगी। संगठन के ज़िला संरक्षक युवराज ठाकरे ने हिन्दू समाज से यात्रा में सम्मिलित होने का आग्रह किया है।

अवैध महुआ शराब के ठिकानों पर पुलिस द्वारा दबिश देकर महुआ लाहन व महुआ शराब बनाने के अड्डों को किया नष्ट

बैतूल। आगामी लोकसभा चुनाव एवं होली एवं रंगपंचमी त्योहार में अवैध कच्ची महुआ शराब के ब्रिकी एवं परिवहन की रोकथाम हेतु अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तारतम्य में थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर के नेतृत्व में दिनांक 29 मार्च 2024 को दोपहर के समय में ग्राम प्रभात पट्टन एवं ग्राम पावल में वर्धा नदी की गहरी घाटियों में कच्ची महुआ शराब बनाने के ठिकानों पर दबिश देकर 20 ड्रमो में भरा महुआ लाहन करीबन 3600 किलो एवं शराब बनाने के अड्डों को विधिवत नष्ट किया गया। महुआ लाहन की अनुमानित कीमत करीब 1,30000 रूपये है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी मुलताई राजेश सातनकर, चौकी प्रभारी प्रभात पट्टन रघु कोकोडे, अमित पवार, छत्रपाल धुर्वे, सुशील कुमार धुर्वे, सलमान, अरविंद पटेल, सेवाराम एवं नगर रक्षा समिति के सदस्यो का योगदान रहा।

टैक्स प्रक्रिया और अभ्यास विषय की वापसी से जेएच और वीवीएम कॉलेज के विद्यार्थियों में हर्ष

जन भागीदारी समिति अध्यक्ष के अथक प्रयासों से मिली सफलता

बैतूल। जेएच और वीवीएम कॉलेज में जन भागीदारी से चल रहे विषय टैक्स प्रक्रिया और अभ्यास को पुनः पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है, जो उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की स्वीकृति के बाद

हुआ। इसके लिए जेएच कॉलेज की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष घनश्याम मदान और वीवीएम कॉलेज के संचालक मंडल के प्रयासों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विषय को पाठ्यक्रम में शामिल किए जाने से विद्यार्थियों में हर्ष व्याप्त है। गौरतलब है कि उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश द्वारा विगत कई वर्षों से जन भागीदारी से चल रहे विषय टैक्स प्रोसीजर एंड प्रैक्टिस विषय को बंद करने का निर्णय लिया गया था जिससे छात्रों में आक्रोश था।

इस प्रक्रिया के माध्यम से, छात्रों को अब टैक्स प्रक्रिया और अभ्यास के क्षेत्र में अधिक ज्ञान प्राप्त होगा, जो उनके अध्ययन और करियर के लिए महत्वपूर्ण है। यह विषय न केवल विद्यार्थियों की शिक्षा में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें टैक्स प्रक्रिया के क्षेत्र में मजबूती से सामर्थ्यवान बनाएगा, जिससे वे अपने करियर में भी अधिक सफल हो सकें। छात्रों के अध्ययन में रुचि और प्रभावी शिक्षा की प्रक्रिया में सहयोग मिलेगा, जो उनकी सफलता को बढ़ावा देगा। जेएच कॉलेज की जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष घनश्याम मदान के अथक प्रयासों से यह संभव हो पाया है। विद्यार्थियों ने उच्च शिक्षा मंत्री, जन भागीदारी समिति अध्यक्ष सहित वीवीएम कॉलेज के संचालक मंडल का आभार व्यक्त किया है।

देश की दिशा तय करने वाले चुनाव : बबला शुक्ला

भाजपा की महत्वपूर्ण जिला बैठक संपन्न

बैतूल। लोकसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय विजय भवन में जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका, नगर परिषद, जनपद पंचायत एवं विधानसभा प्रभारी, संयोजक गणो की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने हमें पहचान दी है। आने वाले चुनाव राष्ट्र की दृष्टि से अति महत्वपूर्ण है। अगले 25 दिन हमें अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए हर बूथ पर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाते हुए लाभार्थियों से निरंतर संपर्क रखना है। हर पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि एक एक बूथ की भी जिम्मेदारी ले तो हम रिकार्ड मतो से लोकसभा जीतेगें। ऐतिहासिक जीत दिलाना इस लोकसभा चुनाव में हम सबकी जिम्मेदारी है। पार्टी का कर्ज उतारने का बेहतर अवसर है। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष आदित्य बबला शुक्ला ने कहा कि लोकसभा चुनाव तक पार्टी के लाभार्थी संपर्क और बूथ विजय अभियान चलने है इन अभियानो को सफल बनाने की जिम्मेदारी बूथ पदाधिकारी के साथ साथ मंडल प्रभारी और पदाधिकारियों की भी है। मोर्चा हमारी पार्टी की मुख्य ताकत है युवा संवाद हो या नारी वंदन कार्यक्रम चाहे किसान चौपाल हो हर अभियान का उददेश्य अपने मतदान केन्द्र पर भाजपा के पक्ष में 370 मत बढाकर डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि देना है। इन अभियानों के साथ साथ 4 अप्रैल को प्रदेष के मुखिया डा. मोहन यादव भाजपा के सांसद प्रत्याशी दुर्गादास उइके की नामांकन में शामिल होगें इसके बाद विशाल आमसभा को संबोधित करेगें। आगामी 6 अप्रेल को भाजपा के स्थापना दिवस पर हर बूथ पर भाजपा की रीति नीति से जुडे कार्यक्रमों में सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके इसके लिए अतिरिक्त प्रयास पर बल देते हुए श्री शुक्ला ने कहा कि पिछले चुनावो मे कार्यकर्ताओ के परिश्रम से अच्छे परिणाम मिले अब आने वाला चुनाव देश का चुनाव है। देश की दिशा को तय करने वाला चुनाव है देश के लिए हमें अतिरिक्त मेहनत कर महाविजय का इतिहास रचना है। बैठक का संचालन महामंत्री कमलेश सिंह ने किया और अंत में आभार जिला महामंत्री सुधाकर पंवार ने व्यक्त किया। इस अवसर पर मंचापर लोकसभा सह संयोजक अशोक गुर्जर, नपाध्यक्ष पार्वती बारस्कर विशेष रूप से मौजूद रहे।

समाज में ब्राह्मणों का सर्वोच्च स्थान आज भी है : पूज्य संत योगेश महाराज

राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ युवा इकाई धार द्वारा गुरुदेव का अभिनंदन किया गया, उत्कृष्ट कार्य के लिए ज्ञानेंद्र त्रिपाठी सम्मानित

धार। परम पूज्य श्री श्री 1008 ब्रह्मलीन श्री गजानन जी महाराज के 104 में जन्मोत्सव पश्चात श्री अंबिका आश्रम बालीपुर मनावर के परम पूज्य संत श्री 1008 यज्ञाचार्य योगेश जी महाराज अल्प प्रवास के दौरान धार पहुंचे, जहाँ राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ युवा इकाई के अध्यक्ष पुनीत तिवारी के निवास धार पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया एवं उपस्थित विप्र बंधुओं द्वारा शाल श्रीफल भेंट कर गुरुदेव का अभिवादन किया गया। गुरुजी ने कुछ पल विप्र बंधुओ के साथ बताएं तथा आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान संत श्री योगेश जी महाराज ने वरिष्ठ पत्रकार व राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ युवा इकाई के संरक्षक ज्ञानेंद्र त्रिपाठी का गुरुदेव के 16 मार्च से 24 मार्च जन्मोत्सव के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर पुष्पहार व अंग वस्त्र तथा प्रसादी से सम्मानित कर आशीर्वाद दिया। आपके साथ सद्गुरु सेवा संस्थान व प्रिय गुरु भाई मुकेश मेहता, रवि भाई भी इस आयोजन में विशेष रूप उपस्थित रहे।

गुरुदेव ने इस अवसर आशीर्वचन भी दिए। उन्होंने कहा कि समाज में ब्राह्मणों का सर्वोच्च स्थान आज भी है। पृथ्वी पर भगवान के बाद ब्राह्मण को ही पूज्यनीय माना गया है। जब भी पृथ्वी पर ब्राह्मण जन्म लेता है तो ईश्वर भी बहुत प्रसन्न होते है।

आज का ब्राह्मण पीछे क्यों है उसका सीधा कारण है कि हम एक नही है, ब्राह्मणों को एक होना पड़ेगा।

उन्होंने ब्राह्मणों को अपने मूल कर्मों से दूर होने की बात भी इस दौरान कहीं। गुरुदेव ने ब्राह्मणों से कहा कि आप एकजुट हो, प्रतिदिन गायत्री पाठ करें, अपने बच्चों को ब्राह्मण तत्व का ज्ञान दें, हर ब्राह्मण संध्या करें ।श्री योगेश महाराज ने कहा कि भूमंडल के समस्त ब्राह्मणों में ब्रह्म तत्व के पुनररूत्थान हेतु पूज्य सद्गुरु सद्गुरु श्री गजानन जी महाराज के 104 में जन्मोत्सव पर ब्राह्मण बंधु के प्रत्येक घर मे गुरुपूर्णिमा 21 जुलाई 2024 तक तक प्रतिदिन दो माला गायत्रीमंत्र के जाप की करना है। गुरुदेव के चार करोड़ गायत्री मंत्र का लक्ष्य पूर्ण करना है इसके लिए परिवार, समाज और ब्राह्मण संगठन में अधिक से अधिक लोगों का पंजीयन के प्रयास किया जा रहे हैं।

इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज कार्यवाहक अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ युवा इकाई अध्यक्ष पुनीत तिवारी, संरक्षक व वरिष्ठ पत्रकार ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, प्रेम रावल, मनीष भार्गव, राजेश शर्मा, राजेश जोशी, जितेंद्र पंड्या, प्रशांत रावल, नमन रावल, राजा शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, पुनीत पांडे, देवेंद्र शर्मा, संजय भट्ट, विजय दवे, मंगेश शर्मा, सुनील पंड्या,कृष्ण द्विवेदी,वरदान तिवारी, सुनील तिवारी, सहित अन्य विप्र बंधु व बहने सम्मिलित हुए।

लोकसभा चुनाव को देखते हुए शराब विनिर्माता फैक्ट्री पर 24×7 विशेष सशस्त्र बल तैनात किए

धार। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार धार जिले में स्थित शराब विनिर्माता फैक्ट्री और बॉटलिंग इकाई पर विशेष निगरानी रखने की दृष्टि से कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्र एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा इन इकाइयों पर विशेष सशस्त्र बल शुक्रवार से तैनात किए गए हैं। सहायक आबकारी आयुक्त विक्रम दीप सांगर ने बताया है कि धार जिले के सेजवाया में स्थित शराब विनिर्माता फैक्ट्री मेसर्स ग्रेट गेलियन वेंचर्स लिमिटेड,

पीथमपुर स्थित शराब बॉटलिंग इकाई जे.के. एंटरप्राइजेज तथा बोराली स्थित ओएसिस डिस्टलरी लिमिटेड पर 24×7 विशेष सशस्त्र बल तैनात कर दिए गए हैं। जो सतत इन इकाइयों पर उपस्थित रहकर इकाइयों पर आने और जाने वाले शराब से लोडिंग प्रत्येक वाहनों की प्रतिदिन चेकिंग करना सुनिश्चित करेंगे। श्री सांगर ने यह भी बताया कि विशेष सशस्त्र बल इकाई परिसर के आस-पास आकस्मिक भ्रमण कर यह भी सुनिश्चित करेंगे कि किसी तरीके से मदिरा का अवैध रूप से निकास संभव न हो सके तथा निर्वाचन संबंधी सुचिता बनी रहे। इकाइयों पर आने ङ्कजाने वाले वाहनों के विस्तृत विवरण का इंद्राज एक पंजी में करने के निर्देश भी सशस्त्र बलों को दिए गए हैं। इकाईयों में पदस्थ प्रभारी आबकारी अधिकारियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वह इन सशस्त्र बलों को उक्त कार्य संपादित करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करें एवं स्वयं भी इकाइयों में प्रतिदिन होने वाले उत्पादन, प्रदाय एवं अंतिम स्कंध पर विशेष निगरानी रखें।

नेहा छाबड़ा महिला मंडल अध्यक्ष मनोनीत हुई

धार। दिगंबर जैन समाज धार की महत्वपूर्ण संस्था सदैव गुरुदेव के आहार मंदिर विधान के प्रोग्राम हमेशा धर्म के कार्य में अग्रसर रहने वाली दिगंबर जैन महिला मंडल का निर्वाचन दिगंबर जैन संत भवन रघुनाथपुरा में चुनाव अधिकारी सुधा कासलीवाल प्रेमलता जैन के निर्देशन में संपन्न हुआ .. सर्वसम्मति से नेहा छाबड़ा को दिगंबर जैन महिला मंडल का अध्यक्ष 3 वर्ष के लिए मनोनीत किया . समाज के मीडिया प्रभारी पारस जैन गंगवाल ने बताया कि नवनिर्वाचित अध्यक्ष नेहा छाबड़ा द्वारा स्वागत भाषण में बताया कि अध्यक्ष पद के निर्वाचन में आपने जो आशीर्वाद व स्नेह से मुझे अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा है उसके लिए में आप सब की आभारी हु पूर्ण विश्वास है आप सब का साथ एवम आशीर्वाद हमेशा मिलता रहेगा और हम सब मिलकर धर्म की रक्षा करेंगे व धर्म के कार्य में सदेव अग्रसर रहेंगे.अतिशीघ्र महिला मंडल की कार्यकारिणी का विस्तार होगा निर्वाचन के समय समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल सचिव संजय छाबड़ा व बड़ी संख्या में महिलाएं भी उपस्थित थीं।

भारतीय संस्कृति की अलख जगाने वाले प्रदेश के विख्यात गृहस्थ संत पंडित मनमोहन मुदगल का निधन

सुबह सवेरे सोहागपुर

भारतीय संस्कृति की अलख जगाने वाले प्रदेश के विख्यात गृहस्थ संत पंडित मनमोहन मुदगल का अल्प बीमारी के कारण भोपाल में 76साल की आयु में निधन हो गया। उनकी अंत्येष्टि सोमवार को होगी। उल्लेखनीय है पंडित मनमोहन मुदगल ने मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में करीबन 27 से अधिक विभिन्न यज्ञों का आयोजन किया

था। वहीं उनके पिताश्री स्वगीर्य भागवत प्रसाद मुद्गल की स्मृति में लगभग 20 सालों से श्री राम कथा का आयोजन गांधी चौक, बिहारी चौक,देनवा गार्डन के बाद पलाश परिसर शंभू दरबार में आयोजित कर रहे थे।। आध्यात्मिक संत पंडित मनमोहन मुदगल के निधन के रिक्त स्थान की पूर्ति होना असंभव है। पूरा नगर उनके निधन की सूचना के बाद गमगीन है।उनके निधन पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह, अरूण पटैल भोपाल,पूर्व पार्षद लक्ष्मीनारायण सोनी, कन्नूलाल अग्रवाल, पूर्व नपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह चौधरी,पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, पूर्व नपाध्यक्ष अभिलाषसिंह चंदेल, वकील जेपी माहेश्वरी , वकील राजेन्द्र राजू तिवारी , वकील मंगल सिंह रघुवंशी, वकील बीके शर्मा,अभिवक्ता संघ अध्यक्ष वकील शेरखान, भाजपा नेता विशाल गोलानी, वकील सतीश नामदेव, वकील संजय तिवारी,वकील अखिलेश मालवीय,वकील प्रांजल तिवारी, आलोक जायसवाल, राकेश चौधरी, गजेन्द्र चौधरी,अभय खंडेलवाल आदि प्रमुख हैं। ज्ञातव्य है कि पूज्य महाराज जी के पास विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, विधायक रामपाल सिंह, सहित कई जानी मानी हस्तियां आती रहती थी। विगत दिनों पूर्व नर्मदा मिशन के समर्थ दादा गुरु भी पलाश परिसर स्थित शंभू दरबार में पहुंचे थे। ज्ञातव्य है महराज के अनुयाई को सर्वाधिक संख्या गाडरवारा,करेली, नरसिंहपुर, जबलपुर आदि महानगरों में थी।

भाजपा संगठन हर एक कार्यकर्ता को मौका देता है : मंत्री कैलाश विजयवर्गीय

कैलाश विजयवर्गीय ने भाजपा चुनाव कार्यालय का शुभारंभ किया

धार। भाजपा वरिष्ठ नेता कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रविवार को धार महू लोकसभा चुनाव क्षेत्र धरमपुरी विधानसभा के भाजपा चुनाव कार्यालय का धामनोद में शुभारंभ किया।

इस दौरान भाजपा लोकसभा चुनाव प्रभारी नंदकिशोर पाटीदार,लोकसभ चुनाव संयोजक प्रभु राठौर भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, सांसद छतर सिंह दरबार,भाजपा प्रत्याशी सावित्री ठाकुर, भाजपा विनोद शर्मा,विधायक कालू सिंह ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा,पूर्व सांसद गजेंद्र सिंह राजुखेड़ी,लोकसभा विस्तारक ओम प्रकाश दय्या, विधानसभा प्रभारी मुकेश परमार, धामनोद मंडल अध्यक्ष राकेश पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

चुनाव कार्यालय शुभारंभ के अवसर पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि भाजपा संगठन हर

एक कार्यकर्ता को मौका देता है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से महिला मजबूत हो रही है और किसान भी समृद्ध हो रहा है।चुनाव कार्यालय प्रारंभ होने मतलब चुनाव आरंभ हो गया है।अब आप सभी को प्रत्येक पोलिंग बूथ पर जाकर सभी लाभार्थी से संपर्क करना है। मोदी जी का संकल्प 400 पार को हम सभी पूरा कर भारत को विश्व गुरु बनाना है।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हुकुम वसुनिया, कमलेश मानवे, ओम प्रकाश कामदार,भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे,निलेश भारती,जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,भाजपा नेता कृष्णा पाटीदार,दिनेश शर्मा, विष्णु नवरंग,जगदीश मुंदड़ा,रामलाल यादव, रमेश पाण,महेंद्र चौहान,मनोरमा,कुशवाह,संगीता यादव, देवकन्या मुकाती सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उम्मीदवारों का भविष्य नामांकन पत्र दाखिल करते समय एकत्रित होने वाली भीड़-भाड़ पर ज्यादा..

नर्मदापुरम- संजीव डे राय

लोकतंत्र महोत्सव की तैयारी और लोकसभा चुनाव को लेकर सभी की आकुलता, व्याकुलता स्वमेव शांत हो चली, भाजपा ने निश्चित इस महोत्सव की तैयारी में उम्मीदवार की घोषणा पहले करके बाजी मार दिखाई लेकिन प्रत्याशी चयन को लेकर कांग्रेस की कछुआ चाल भाजपा के लिए भारी साबित हो रही, होशंगाबाद नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपाई किसान नेता दर्शन सिंह चौधरी का सीधा मुकाबला अब कांग्रेस प्रत्याशी संजय शर्मा से होगा। जो उनकी जीत के लिए उतनी आसान नहीं जितना राव उदय प्रताप सिंह के हिस्से में आई थी। वर्षों बाद ब्राह्मण को इस संसदीय क्षेत्र में लोकसभा का उम्मीदवार बनाया है। देखा जाए तो अब संजय शर्मा का मुकाबला कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए उस सुरेश पचौरी से होगा जिन्होंने क्षेत्र में सनाढ्य या धनाढ्य वाली राजनीति को पकड़े रखा था और संजय शर्मा इन दोनो खूबियों में खरे हैं। कांग्रेस ने यहां राव उदय प्रताप सिंह के साथी और दो बार के भाजपा से विधायक रहे संजय शर्मा को उम्मीदवार बनाकर लोकसभा का चुनाव रोचक बना दिया। चुनाव में मोदी लहर का प्रभाव राम मंदिर निर्माण, कश्मीर में धारा 370 हटाने का भाजपा को लाभ मिलेगा लेकिन बेरोजगारी, महंगाई के अलावा गुटबाजी

उसके विरुद्ध मुंह नहीं उठा सकती है..? सवाल यह भी है राजनीति की नई दुकान खुलने से पहले बंद करने वाले ज्यादा जोर लगाते है। लोकसभा सभा क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों का यदि मूल्यांकन किया जाएं तो नर्मदापुरम जिले की चार विधानसभाओं में भाजपा के विरुद्ध गूजरों और कुर्मियों का एक बड़ा हिस्सा नाराज हैं जो प्रताड़ित हो रहें हैं और विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 137 ओबीसी बाहुल्य है जिसे ब्राम्हण बाहुल्य बताया जाता, कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए राव उदय प्रताप सिंह ने फिर सांसद रहकर क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं कराए, पिछली दफा मोदी जी के नाम पर प्रदेश में जिन्हें सबसे ज्यादा वोट से जीत हासिल हुई थी। नगर में फुट ओवरब्रिज निर्माण की मांग के अलावा कुछ गाड़ियों के स्टापेज आज भी लंबित है। संजय शर्मा उनके परिचित और घनिष्ठ भी, शक की सुईयां ऐसे में खुद सवाल उठाती है दर्शन सिंह को इसका कितना लाभ होगा और सासंद के निकटवर्ती विधायकों का कितना समर्थन मिलेगा..? किसान नेता दर्शन सिंह का प्रत्याशी बनना वैसे तो जमीनी कार्यकर्ता को पसंद आया जिन्हें मठाधीश सहन नहीं कर पा रहे दर्शन सिंह का विरोध करने लोग भोपाल तक पहुंच चुके लेकिन उनकी दाल गल नहीं पाई। दर्शन सिंह चौधरी नामांकन पत्र दाखिल करते समय कितना प्रभाव छोड़ते यह देखने वाला होगा क्योंकि उनके नामांकन पत्र दाखिल करवाने मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री दोनों ही मुख्यालय आने वाले हैं। फिलहाल श्री चौधरी मुहुर्त वाला नामांकन पत्र दाखिल कर चुके हैं।

ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर ली कार्यकर्ताओं की बैठक, बनाई चुनावी रणनीति

बैतूल। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने रविवार को बैतूलबाजार भाजपा मंडल के ग्रामीण इलाकों का दौरा कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर चुनावी रणनीति बनाई। बैतूल विधायक श्री खंडेलवाल ने ग्राम जावरा में ग्राम पंचायत स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर लोकसभा चुनाव में अधिक से अधिक मतों से

जीत सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई ।उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि विकास के सिलसिले को जारी रखने और जन-जन की खुशहाली और तरक्की के लिए लोकसभा चुनाव में सांसद डी डी उईके को अधिक से अधिक मतों से चुनाव जीतना है ।इसलिए सभी बूथ स्तर पर मोर्चा संभालकर पर जुड़ जाए। उन्होंने इस दौरान कार्यकर्ताओं को चुनाव सामग्री का वितरण भी किया। बैठक में बैतूल विधानसभा प्रभारी मधु पाटनकर, बैतूल बाजार मंडल अध्यक्ष सुनील पवार ,बूथअध्यक्ष प्रवीण ठाकरे ,गोविन्दराव चड़ोकार,गुलाब घोटे ,सुखदेव कावड़कर ,ललित पोटफडे,राम प्रसाद साहू ,लक्ष्मण कावड़कर सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

कलेक्टर सूर्यवंशी ने मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को दिखाई हरी झंडी

रायडर्स को दिलाई मतदाता जागरूकता की शपथ

बैतूल। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अनुक्रम में स्वीप के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने रविवार को ओपन ऑडिटोरियम से मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 5 किलोमीटर की इस साइकिल रैली की अगुवाई स्वीप के नोडल अधिकारी अक्षत जैन, सहायक कलेक्टर ऐश्वर्य वर्मा, पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी मकसूद अहमद ने की।

रायडर्स को दिलाई शपथ- ओपन ऑडिटोरियम से रैली के रवाना होने के पूर्व साइकिल रायडर्स एवं उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। उपस्थित जन समुदाय ने हाथ उठाकर

मतदान की शपथ ली।

मतदाता सुनिश्चित करें अपनी जिम्मेदार

भागीदारी – मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं स्वीप नोडल अधिकारी अक्षत जैन ने बताया कि आचार संहिता लागू होने के बाद से प्रतिदिन स्वीप के तहत सभी विधानसभा क्षेत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, गीत, रंगोली प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, दीवार लेखन आदि के आयोजन किया जा रहे हैं। इन आयोजन का उद्देश्य मतदान के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करना है। लोकतंत्र के इस महापर्व में सभी की जिम्मेदार भागीदारी सुनिश्चित करना है। दिव्यांग और वरिष्ठ मतदाताओं को उनकी इच्छा के अनुरूप घर पर ही पोस्टल बैलट के द्वारा मतदान की सुविधा भी दी गई है। यह साइकिल रैली शहर में लोगों को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निकाली गई थी। ओपन ऑडिटोरियम से प्रारंभ यह रैली शिवाजी चौक, कलेक्ट्रेट से कोतवाली, कमानी गेट, गणेश चौक, जेएच कॉलेज से रेलवे स्टेशन, अंबेडकर चौक होते हुए वापस ऑडिटोरियम पहुंची।

नरसिंहपुर रेलवे स्टेशन पर टला बड़ा हादसा वंदे भारत ट्रेन आते ही टूटा हाई वोल्टेज तार

● दो घंटे तक खड़ी रही ट्रेन, अन्य गाड़ियां भी प्रभावित, ● ट्रेन के पहिए हो गए थे जाम

भोपाल/नरसिंहपुर (नप्र)। नरसिंहपुर के घाट पिंडरई में आज बड़ा हादसा टल गया। यहां वंदे भारत ट्रेन के आते ही सी फाईव ओएचई ब्रेकेज तार टूट गई और अचानक से ट्रेन के पहिए उसी समय जाम हो गए। तेज चिंगारी के साथ ही तार जमींन पर आ गिरी, जिससे रेल यातायात संचालन प्रभावित हो गया। हालांकि, हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

बिजली का तार टूटने से थमे पहिए

जबलपुर से भोपाल जाने वाली वंदे भारत ट्रेन किसी तरह नरसिंहपुर पहुंची और वहां पर उसके पहिए थम गए, बिजली का तार टूटने से भोपाल की ओर जाने वाली सारी गाड़ियां जहां थी वही थम गई। ट्रेन नरसिंहपुर स्टेशन पर लगभग दो घंटे खड़ी रही। वही अमरकंटक एक्सप्रेस करकबेल में लगभग छह घंटे खड़ी रही तो वहीं दानापुर एक्सप्रेस भिटौनी में एक घंटे खड़ी रही।

लोग रहे परेशान

टूटे तार को रेलवे द्वारा सुधारने का कार्य शुरू किया गया, जो लगभग दो घंटे तक चला। तार सुधारने के बाद ही रेल यातायात बहाल हो सका। इस बीच तीनों ट्रेनों में फंसे यात्री हलाकान होते रहे, तेज गर्मी और गाड़ियों में बिजली की सप्लाई अवरुद्ध होने के कारण लोग पसीने से तर-बतर दिखे। सुधारीकरण कार्य पूरा होने के बाद जब ट्रेन अपने गंतव्य स्थल की ओर चली तब सभी यात्रियों ने राहत की सांस ली।

कोई बड़ा नुकसान नहीं

नरसिंहपुर स्टेशन मास्टर सुनील जाट ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि घाट पिंडरई के पास ओएचई ब्रेकेज टूटने के चलते यातायात अवरुद्ध हो गया था, इस तार में लगभग 25 हजार केवी की बिजली सप्लाई रहती है। यही कारण था कि तार के टूटने से तेज चिंगारी भी निकली मगर किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। फिलहाल सुधारीकरण का कार्य किया जा चुका है और सभी ट्रेने अपने गंतव्य स्थल की ओर रवाना हो गई है।

सागर में धार्मिक गाना बजाने पर दो पक्षों में पथराव

ई-रिक्शा चालक को पीटा; सड़कों पर उतरे हजारों लोग, आरोपियों के घर तोड़ने की मांग

सागर (नप्र)। सागर में बीती रात हुए बवाल के बाद रविवार दोपहर में हिंदू संगठनों के लोग सड़क पर उतर आए। बड़ी संख्या में लोग शहर के कबूला पुल चौराहे पर स्थित शनि मंदिर में इकट्ठा हुआ। फिर सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करने लगे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। ये लोग पथराव और मारपीट करने वाले आरोपियों के मकान तोड़ने और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। प्रशासन ने दो दिन में कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद प्रदर्शन खत्म हुआ। शनिवार रात हुए बवाल के बाद हजारों की संख्या में लोग सड़क पर उतर आए। ये लोग आरोपियों के घर तोड़ने और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बता दें कि सागर शहर के सदर इलाके में शनिवार देर रात दो पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि धार्मिक गाना बजाने पर ई-रिक्शा चालक और उसके साथी पर एक समुदाय की भीड़ ने हमला बोल दिया। बीच-बचाव करने पहुंची भीड़ में से एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। आरोप है कि इस दौरान पथराव और वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। घटना रात 10.15 बजे सदर के 12 मुहाल की है। नरयावली से भाजपा विधायक प्रदीप लारिया और हिंदू संगठन के नेता कपिल स्वामी का आरोप है कि घरों से पत्थर फेंके गए, तलवार

लहराई गईं। शहर के चारों थानों से पुलिस वज्र वाहन के साथ मौके पर पहुंची। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने 10 से 12 राउंड आंसू गैस के गोले दागे और लाठियां भांजीं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर देर रात तक मौजूद थे। स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। पुलिस ने 15 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

कैंट थाने के सामने प्रदर्शन

मौके पर पुलिस बल तैनात होने के बाद शहर के भाजपा, कांग्रेस नेता और हिंदू संगठन से जुड़े लोग कैंट थाने पहुंचे। ई-रिक्शा चालक और युवक पर चाकू से हमला और पथराव करने वाले आरोपियों के खिलाफ एफआईआर और उनके घरों पर बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़े रहे। थाने के सामने मेन रोड पर बैठकर प्रदर्शन किया। घायलों ने हमला करने वालों में इजाद, गुड्डू, नानू, अब्बू अन्य के नाम पुलिस को बताए हैं। पुलिस ने 10 से 12 राउंड आंसू गैस के गोले दागकर हालात पर काबू पाया।

हमने गाना बंद कर दिया, लेकिन कुछ लोग पकड़कर ले गए और मारपीट की: घायल 27 वर्षीय ई-रिक्शा चालक राहुल राठौर ने बताया, मैं और मेरा साथी सौरभ कपालिया सदर के 12 मुहाल से राम जी का गाना बजाते हुए जा रहे थे। वहां मौजूद वर्ग विशेष के लोगों ने रोका तो हम लोगों ने गाना बंद कर दिया। इन्हीं में से कुछ लोग मुझे पकड़कर ले गए। 100 से ज्यादा लोगों ने हमला कर दिया। मैं जान बचाकर भागा। सौरभ को भी पीटा। पत्थर पटक कर मेरा रिक्शा भी चौपट कर दिया। 12 मुहाल में फूल माला की दुकान लगाने वाले गुड्डू माली पर घर में घुसकर चाकू से हमला किया गया। उन्हें सीने पर चाकू लगा है। हालत खतरे से बाहर है।

भोपाल में कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव लड़ने मांगा चंदा

एक वोट-एक नोट की अपील

पीसीसी चीफ बोले- खाते फ्रीज करवा दिए, यह आर्थिक अराजकता

भोपाल (नप्र)। भोपाल लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव भोपाल में एक अलग अंदाज में चुनाव प्रचार के लिए निकले। इस दौरान उनके हाथ में एक बक्सा था। जिस पर लिखा था- 'एक नोट एक वोट'। चुनाव प्रचार की शुरुआत उन्होंने न्यू मार्केट से की। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) जीतू पटवारी भी साथ रहे। उन्होंने भी लोगों से एक वोट एक नोट की अपील की। कहा- हमारे खाते फ्रीज करा दिए गए, यह आर्थिक अराजकता है। आचार संहिता के बाद इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। मीडिया ने रुपए मांगने को लेकर सवाल पूछा तो कांग्रेस प्रत्याशी अरुण श्रीवास्तव ने कहा- कांग्रेस के सारे खाते फ्रीज कर दिए गए। एक नोटिस देकर 1823 करोड़ कांग्रेस के ऊपर निकाले गए हैं। 2017 की राशि आज निकाली गई। खातों को फ्रीज करके लोकतांत्रिक मूल्यों को दबाने की कोशिश की गई है। आज हम जनता के बीच में जाकर जनता से पैसा ले रहे हैं। आम जनता से एक वोट और एक नोट की अपील कर रहे हैं।

जीतू पटवारी बोले- हमने अभियान चलाया है

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (पीसीसी) जीतू पटवारी ने कहा- पीएम नरेंद्र मोदी ने इनकम टैक्स के माध्यम से कांग्रेस के खाते फ्रीज करा दिए। पार्टी को 1800 करोड़ रुपए का नोटिस दिया गया है। 25-30 साल पहले की कार्रवाई आज चालू की। जो पैसा हमारे पास था उसका 50त्न इनकम टैक्स के खातों में डलवा दिया। यह आर्थिक अराजकता है। चुनाव आचार संहिता के बाद इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। भाजपा ने दूसरी तरफ नोटबंदी से अरबों रुपए इकट्ठे कर लिए। यहां तक की भाजपा पाकिस्तान की कंपनी से पैसे ले लिए। हर दर्जे की आर्थिक अराजकता है उसके खिलाफ हमारा आंदोलन भी है। देश की भावनाओं को देखते हुए एक वोट और एक नोट का अभियान है।

जबलपुर में भी कांग्रेस प्रत्याशी ने मांगे 10 रुपए

इसी तरह, कांग्रेस प्रत्याशी दिनेश यादव भी अपने लोकसभा क्षेत्र जबलपुर में चुनाव लड़ने के लिए लोगों से 10 रुपए मांग रहे हैं। कांग्रेस प्रत्याशी का कहना है कि मेरे पास इतने पैसे नहीं है कि चुनाव में प्रचार-प्रसार कर सकूं। मैं एक छोटा सा व्यापारी हूं, इसलिए जबलपुर के मतदाताओं से हाथ जोड़कर 10 रुपए की मांग रहा हूं। जनता से लिए 10-10 रुपए ही मुझे विजयी बनाएंगे। वहीं, भाजपा प्रत्याशी आशीष दुबे ने इसे चुनावी स्टंट बताया। उन्होंने कहा- कांग्रेस प्रत्याशी को पता है कि वे चुनाव हार रहे हैं। इस वजह से अपना और पार्टी का पैसा खर्च नहीं करना चाहते हैं।

म.प्र. में 3 सिस्टम, मौसम के दिखेंगे 2 रंग

ग्वालियर-जबलपुर समेत 20 जिलों में गर्मी-बूंदाबांदी का अनुमान; रातें भी गर्म रहेंगी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में रविवार को मौसम के 2 रंग दिखे। ग्वालियर-जबलपुर समेत 20 जिलों में गर्मी के बीच बूंदाबांदी होने का अनुमान है। कई शहरों में रातें भी गर्म रहेंगी। मौसम विभाग भोपाल के वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि साइक्लोनिक सर्कुलेशन, ट्रफ और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से पूर्वी और पश्चिम मध्यप्रदेश के एक-दो जिलों में बारिश-आंधी के आसार है। वहीं, गुना, शिवपुरी, छतरपुर, टीकमगढ़, अशोकनगर, जबलपुर, मंडला और बालाघाट में अगले 2 से 3 दिन तक हीट वेव, यानी गर्म हवाएं भी चलेंगी।

यहां रातें गर्म रहेंगी

मौसम विभाग के अनुसार, जबलपुर, नर्मदापुरम, उमरिया, बालाघाट में अगले दो दिन तक रातें भी ज्यादा गर्म रहेंगी। यहां रात का टेम्प्रेचर 23 से 25 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ जाएगा।

3 अप्रैल को नया सिस्टम

मौजूदा सिस्टम का असर सोमवार को खत्म हो जाएगा। इसके बाद गर्मी का असर बढ़ने लगेगा। हालांकि, 3 अप्रैल को पश्चिमी हिमालय में एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने का अनुमान है। इसका असर प्रदेश में अगले 2 से 3 दिन बाद देखने को मिल सकता है।

बादलों की वजह से दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट: इससे पहले प्रदेश के कई शहरों में बादल रहे। इस वजह से दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट हुई है। भोपाल में 1.3 डिग्री की गिरावट के साथ पारा 37.7 डिग्री रहा। इंदौर में 37.4 डिग्री दर्ज किया गया। ग्वालियर में 38.5 डिग्री, जबलपुर में 37.7 डिग्री और उज्जैन में पारा 37.5 डिग्री दर्ज किया गया।

सतना सबसे गर्म, 5 शहरों में 40 डिग्री के पार: शनिवार को सतना सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 40.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, खंडवा में 40.1 डिग्री, दमोह में 40.2 डिग्री, खजुराहो में 40.4 डिग्री और मंडला में 40.4 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में सबसे कम 32.4 डिग्री तापमान रहा। वहीं, मलाजखंड में 36.2 डिग्री और छिंदवाड़ा में 36.8 डिग्री दर्ज किया गया। बाकी शहरों में टेम्प्रेचर ज्यादा रहा।

प्रसाद नहीं खरीदा..तो सुप्रीम कोर्ट के वकील का सिर फोड़ा

● उज्जैन में मुंबई की फैमिली से मारपीट, महिला के बाल खींचे; दुकानों पर चला बुलडोजर

अमरदीप भट्टाचार्य, घायल

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन के काल भैरव मंदिर के बाहर सुप्रीम कोर्ट के वकील और उनके परिवार के साथ मारपीट की गई। प्रसाद नहीं खरीदने पर दुकानदार और उसके साथी मुंबई के इस परिवार पर टूट पड़े। वकील का सिर फोड़ दिया। परिवार की महिला को बाल पकड़कर खींचा। बच्चियों से भी छेड़खानी की। हमले में घायल तीन लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना रविवार सुबह की है। मारपीट की इस घटना के बाद पुलिस और प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए काल भैरव मंदिर के बाहर दोपहर तक 25 से ज्यादा फूल-प्रसादी की अवैध दुकानें जेसीबी चलाकर गिरा दीं। कुल 40 दुकानें यहां से हटाई जाएंगी। सुप्रीम कोर्ट के वकील अमरदीप भट्टाचार्य मुंबई के बोरीवली वेस्ट के रहने वाले हैं। उनकी और उनके भाई हाईकोर्ट के वकील ऋषिकेश भट्टाचार्य की फैमिली रविवार सुबह महाकाल मंदिर में भस्म आरती में शामिल हुई। इसके बाद सभी 8 लोग मैजिक गाड़ी हायर कर काल भैरव मंदिर पहुंचे थे।

60 से 70 लोगों की भीड़ ने हमारी गाड़ी घेर ली

परिवार की सेजल भट्टाचार्य ने बताया, हमने उन लोगों से कहा कि हम दर्शन कर चुके हैं, इसलिए प्रसाद नहीं लेना है। दुकानदार राजा भाटी ने 200 रुपए की मांग की। बोला कि यहां गाड़ी लगाई है तो प्रसाद भी लो, तभी आगे जाने देंगे। उसने जबरदस्ती हमारी गाड़ी के अंदर प्रसाद फेंक दिया। 60 से 70 लोगों ने हमारी गाड़ी घेर ली। गाड़ी के ड्राइवर कमल कुमार को धमकाया। भाभी को बाल से खींचकर बाहर निकाला। उनके कपड़े फट गए। बच्चियों को गलत तरीके से टच किया।

लोकसभा निर्वाचन-2024

स्वयं मतदान करें, परिवार, पास-पड़ोस के लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें

भोपाल (नप्र)। लोकसभा निर्वाचन-2024 मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने रविवार को मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मतदाता जागरूकता वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने आगामी 7 मई को भोपाल लोकसभा सीट के लिए होने वाले मतदान में सभी नागरिकों से बढ़ चढ़कर मतदान करने की अपील की। उन्होंने प्रदेश के सभी मतदाताओं से आग्रह किया है कि खुद मतदान करें और परिवार, पास पड़ोस के नागरिकों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर भोपाल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह, सीईओ जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप श्री ऋतुराज, आयुक्त नगर निगम श्री हरेंद्र नारायण सहित रैली में अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लालघाटी चौराहे से हुआ रैली का शुभारंभ: भोपाल का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित मतदाता जागरूकता वाहन रैली का सुबह 7:30 बजे लालघाटी चौराहे से शुभारंभ हुआ। यह रैली वीआईपी रोड, गौहर महल, जहांगीराबाद होते हुए शौर्य स्मारक, अरेरा हिल्स पहुंची।

मुकेश नायक बोले-देश घटियावाद की राजनीति के दौर में

कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष का लिया चार्ज, कहा, भाजपा साइकोलॉजिकल वॉर क्रिएट कर रही

भोपाल (नप्र)। पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने पीसीसी में मीडिया विभाग के अध्यक्ष का पदभार संभाला। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस के प्रवक्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पीसीसी चीफ के मीडिया एडवाइजर केके मिश्रा, कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता, स्वदेश शर्मा, रवि सक्सेना, अवनीश बुंदेला, राम पांडे, अपराजिता पांडे मौजूद थे।

मुकेश नायक ने कहा वर्तमान राजनीति का ये कालखंड घटियावाद है। कभी किसी देश मे मार्क्सवाद, पूंजीवाद और समाजवाद आया। लेकिन, आज हम कह सकते हैं कि आज की राजनीति घटियावाद से गुजर रही है। भाजपा चुनाव जीतने की मशीन बन गई है। बीजेपी अपने भटकाव की चरम अवस्था से गुजर रही है। सरकारें

बना लेना अलग विषय है। हार-जीत की फैक्ट्री बना देना अलग विषय है। लेकिन, भारत की 140 करोड़ जनता की संवेदनाएं, आम गरीब का दर्द केवल रेवड़ियां बंट देने से कुछ नहीं होगा। घटियावाद के दौर में पहुंच गई राजनीति को चौथे स्तम्भ से बड़ी उम्मीद है। पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने आज पीसीसी पहुंचकर मीडिया विभाग के अध्यक्ष का पदभार संभाला। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस के प्रवक्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पीसीसी चीफ के मीडिया एडवाइजर केके मिश्रा, कांग्रेस प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता, स्वदेश शर्मा, रवि सक्सेना, अवनीश बुंदेला, राम पांडे, अपराजिता पांडे, अभय दुबे मौजूद थे।

भारत की राजनीति घटियावाद के दौर से गुजर रही

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस के पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने कहा वर्तमान समय में राजनीति का जो कालखंड है। हम ये कहते हैं कि कभी किसी देश में पूंजीवाद आया, कभी किसी देश में समाजवाद आया। आज हम ये कह सकते हैं कि भारत की राजनीती घटियावाद के दौर से गुजर रही है। भाजपा एक बीजेपी चुनाव जीतने का कारखाना बन गई हैं, जिसमें न तो विचार है। ना ही कोई लोकतांत्रिक मूल्य हैं, ना कोई चरित्र-चाल और चेहरा हैं। बल्कि बीजेपी अपने भटकाव की चरम अवस्था से गुजर रही हैं। राजनैतिक सफलता और सरकारें बनाना अलग विषय है। लेकिन उस राजनीतिक दल के अंदर भारत के 140 करोड़ लोगो की अस्मिता, संवेनशीलता, रोजमर्रा की समस्या,धरती के रंग जैसे किसान,खेत-खलिहान में जूंझते हुए आम-आदमी का संघर्ष केवल रेवड़िया बांटने से पूरा नहीं होगा। इस घटियावाद के दौर में पहुंच चुकी राजनीति को लोकतंत्र के चौथे स्तंभ से बड़ी उम्मीद है।

बीजेपी साइकोलॉजिकल वॉर क्रिएट कर मनोवैज्ञानिक युद्ध में बढ़त लेना चाहती है: कांग्रेस के नेताओं के बीजेपी जॉइन करने के सवाल पर नायक ने कहा कि अगर बीजेपी को यहां से जाने वाले नेताओं से कुछ फायदा हो रहा होता तो बीजेपी ये न कहती कि ये गीला कचरा हैं, ये सूखा कचरा है ये मेडिकल वेस्ट है। बीजेपी एक साइकॉलाजिकल वॉर क्रिएट करके एक मनोविज्ञानिक युद्ध में बढ़त लेना चाहती हैं।